13 दिसंबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है खेलकूद : डॉ. रमेश सिंह

2

एक नजर

8 सूचना आयुक्तों में ओबीसी, एससी-एसटी नहीं

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सूचना आयोग में नियुक्ति के लिए जो नाम चुने गए, उनमें पिछड़ी जातियों के लोगों को शामिल नहीं किया गया है। सरकार ने राहुल गांधी के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि ये बात सच नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राहुल गांधी की तीन सदस्यीय समिति ने बुधवार को बैठक की थी। इस बैठक में केंद्रीय सूचना आयोग और सूचना आयुक्तों के खाली पदों को भरने के लिए नामों को फाइनल किया गया। इस बारे में आधिकारिक सूचना से पहले ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों पर सरकार का जवाब आया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि कुल मिलाकर, सुझाए गए आठ नामों में से पांच नाम पिछड़ी जातियों से हैं। इन तथ्यों को देखते हुए, राहुल गांधी के दावे गलत साबित होते हैं। सरकार ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेतृत्व के करीबी सूत्रों के आधार पर छपी खबरें झूठी हैं और लोगों को गुमराह करने की एक और कोशिश है।

डरता नहीं हूं लेकिन हल्के में नहीं लेंगे सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोहिंग्या घुसपैठियों के अधिकारों पर उठाए गए सवालों पर सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और कई वकीलों ने आलोचना की। अब इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अदालत की कार्यवाही के दौरान वकीलों से सवाल पूछने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। प्रज्वल रेवन्ना की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा, "लोग इतने अति संवेदनशील हैं कि वे अदालतों द्वारा की गई किसी टिप्पणी या वकील से पूछे गए किसी प्रश्न के लिए भी उनकी आलोचना करते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि वे ऐसी आलोचनाओं से डरते नहीं हैं, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि जजों द्वारा तथ्यों और बेहतर दलीलों को सामने लाने के लिए पूछे गए सवालों के आधार पर नैरेटिव बनाए जाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कामों को वे गंभीरता से लेंगे। पिछले हफ्ते, सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था, 'ये रोहिंग्या कौन हैं जिन्हें सरकार ने शरणार्थी घोषित किया है?' बेंच ने यह भी कहा था कि अवैध रूप से देश में आने वालों का कोई कानूनी दर्जा नहीं होता और भारत उन्हें रखने के लिए बाध्य नहीं है।

मनरेगा का नाम बदलकर हुआ पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना

- काम के दिन 100 से बढ़ाकर हुए 125 दिन, मजदूरों को मिलेगा लाभ

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार से जुड़ी देश की सबसे बड़ी योजना मनरेगा को नया रूप देने का फैसला कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलने वाला बिल मंजूर किया गया। केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर ह्यपूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजनाह्ल करने और काम के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 करने वाला बिल मंजूर कर दिया है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव ग्रामीण रोजगार और विकास को नई दिशा देने के लिए किया जा रहा है।मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्य काम की मांग कर सकते हैं। पंचायत स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। काम अलग-अलग तरह के होते हैं। जैसे तालाब बनाना, सड़क की मरम्मत, नाला खुदाई, बागवानी, मिट्टी कार्य और अन्य सामुदायिक काम। ग्रामीण क्षेत्रों में यह योजना रोजगार देने और आजीविका को सुरक्षित करने का बड़ा जरिया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में महंगाई और नौकरी की कमी को देखते हुए काम के दिनों को 125 करने का फैसला लिया गया है। सरकार चाहती है कि गांवों में रहने वाले परिवारों को अतिरिक्त काम मिले, ताकि उनकी आमदनी बढ़े और पलायन कम हो। बताया गया कि काम के दिनों की बढ़ोतरी से गांवों में मजदूरी का चक्र मजबूत होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था में गति आएगी।सूत्रों का कहना है कि योजना का नया नाम ह्यपूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजनाह्ल महात्मा गांधी की ग्रामीण स्वावलंबन की विचारधारा को दर्शाने के लिए रखा गया है।

बिल को अब संसद में रखा जाएगा

कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब यह बिल संसद में पेश किया जाएगा। विधेयक पास होते ही कानून में बदलाव लागू हो जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि बिल के साथ योजना के नियमों में भी संशोधन होंगे, ताकि नए नाम और काम के दिनों को आधिकारिक रूप से लागू किया जा सके।विशेषज्ञों के अनुसार, अतिरिक्त 25 दिन का रोजगार ग्रामीण परिवारों को काफी राहत देगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के अवसर मजबूत होंगे। मनरेगा के तहत काम मिलने से ग्रामीण क्षेत्र में नकदी का प्रवाह बढ़ता है, जिससे बाजार और छोटे व्यवसायों को भी लाभ होता है। यह योजना मूल रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 (एनआरईजीए) के नाम से शुरू की गई थी। बाद में इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) कर दिया गया।

पुतिन ने पाक पीएम को कराया 40 मिनट इंतजार झल्लाकर मीटिंग में जबरन घुस गए शहबाज

एजेंसी। नई दिल्ली

तुर्कमेनिस्तान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फोरम में एक अजीब स्थिति तब बन गई जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मिलने की कोशिश में गलती से उनकी बंद कमरे वाली मीटिंग में पहुंच गए। यह पल कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर इसका मजाक उड़ने लगा। तुर्कमेनिस्तान की स्थायी तटस्थता के 30 साल पूरे होने पर 12 दिसंबर को यह बड़ा अंतरराष्ट्रीय फोरम आयोजित हुआ था। इसी कार्यक्रम के दौरान शहबाज शरीफ की पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक तय थी। लेकिन यह बैठक देर तक शुरू नहीं हुई। बताया गया कि शरीफ और पाक विदेश मंत्री इशाक डार करीब 40 मिनट तक एक अलग कमरे में इंतजार करते रहे। लंबे इंतजार के बाद शरीफ ने सोचा कि वो कम से कम पुतिन से कुछ मिनट के लिए मिल लें। इसी जल्दबाजी में वे उस कमरे में पहुंच गए जहां पुतिन तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन के साथ बंद कमरे में बातचीत कर रहे थे। यह फोरम तुर्कमेनिस्तान की आधिकारिक स्थायी तटस्थता के 30 साल पूरे होने पर आयोजित किया गया था। 12 दिसंबर 1995 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी। इसके मुताबिक, तुर्कमेनिस्तान सैन्य गठबंधनों से दूर रहता है, किसी संघर्ष में शामिल नहीं होता और अपने क्षेत्र में विदेशी सैन्य ठिकानों की अनुमति भी नहीं देता।

वोटर लिस्ट के बाद अब राशन कार्ड की बारी

बिहार : 54 लाख से ज्यादा राशन कार्ड से नाम काटने की तैयारी

- आधार लिंकिंग के बाद बड़े पैमाने पर सामने आईं गड़बड़ियां

पटना। बिहार में राशन व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी वेरिफिकेशन ड्राइव शुरू कर दी है। पहले चरण में ही 54 लाख से ज्यादा नाम राशन कार्ड से हटाए जाने की प्रक्रिया में हैं। आधार लिंकिंग और विभिन्न विभागों से डेटा मैच होने पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आईं, जिसके बाद गलत या अयोग्य लाभार्थियों की पहचान तेजी से की जा रही है। बिहार सरकार ने पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में पारदर्शिता और पात्र लोगों तक ही लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अब तक की सबसे बड़ी वेरिफिकेशन ड्राइव शुरू कर दी है. राज्यभर में पहले चरण में 54.20 लाख से अधिक नामों को राशन कार्ड सूची से हटाने की तैयारी है। यह कार्रवाई तब तेज हुई जब राशन कार्डों को आधार से लिंक किया गया और कई विभागों के रिकॉर्ड मिलान में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आईं।

मुजफ्फरपुर में 2 .34 लाख नाम आया सामने

ऑफिशियल रिपोर्ट बताती है कि सीतामढ़ी में करीब 99 हजार, मुजफ्फरपुर में 2.34 लाख और पूर्वी चंपारण में लगभग 1.5 लाख ऐसे लाभार्थी चिह्नित किए गए हैं, जो पात्रता के मानकों पर खरे नहीं उतरते . इन जिलों ने विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। पटना में 10 .33 लाख एक्टिव राशन कार्ड हैं, जिनमें शहरी क्षेत्र के 2 .30 लाख कार्ड शामिल हैं . चल रहे केवाईसी वेरिफिकेशन के दौरान अनुमान लगाया गया है कि करीब 65 से 70 हजार नाम गलत दस्तावेजों या अयोग्य श्रेणी के कारण हटाए जा सकते हैं। उसप्लाई विभाग ने राशन कार्ड डेटा को रेवेन्यू एवं लैंड रिफॉर्म्स, ट्रांसपोर्ट, इनकम टैक्स और सिविल रजिस्ट्रेशन डेटाबेस से मैच किया। इसमें चैंकाने वाली विसंगतियां सामने आईं। जैसे कई लाभार्थियों के पास 2.5 एकड़ से अधिक जमीन पाई गई है। यह भी सामने आया है कि कई लोग चार पहिया वाहन के मालिक निकले। केवाईसी के अपडेट होने के बाद यह भी सामने आया है कि इनकम टैक्स रिटर्न भरने वाले भी राशन सूची में शामिल मिले। सरकारी रिकॉर्ड में मृत व्यक्तियों के नाम भी अब तक सक्रिय थे। इसके बाद जिलों के सप्लाई अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी नाम को हटाने से पहले फील्ड वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से किया जाए।

केंद्र के निर्देश के बाद प्रक्रिया में आई तेजी

वन नेशन, वन राशन कार्ड स्कीम के लागू होने के बाद केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से अपडेटेड और साफ डेटा मांगा . इसके बाद बिहार में वेरिफिकेशन की रफ्तार और बढ़ गई। गलत दस्तावेज जमा करने वालों को विभाग नोटिस भेजेगा। 90 दिनों के भीतर उनकी पात्रता की दोबारा जांच होगी। अगर उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित नामों को स्थायी रूप से सूची से हटा दिया जाएगा। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि बड़े पैमाने पर आर्थिक रूप से संपन्न परिवार के लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर रहे है।

दो चरणों में होगी डिजिटल जनगणना : केंद्रीय मंत्री अश्विनी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 2027 की जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके लिए 11,718.24 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसकी डिजिटल डिजाइन डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। जनगणना 2027 पहली डिजिटल जनगणना होगी जो दो फेज में होगी। पहले फेज में अप्रैल से सितंबर 2026 तक हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना होगी, दूसरे फेज में फरवरी 2027 में जनसंख्या की गिनती होगी।अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण, यानी हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना, अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच होगी। दूसरा चरण, यानी जनसंख्या गणना, फरवरी 2027 में किया जाएगा। हालांकि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के कुछ बर्फीले इलाकों और हिमाचल तथा उत्तराखंड के ऊंचे क्षेत्रों में जनसंख्या गणना सितंबर 2026 में ही की जाएगी।

30 लाख कर्मचारी करेंगे जनगणना का काम

जनगणना 2027 दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक और सांख्यिकीय कवायद होगी, जिसमें करीब 30 लाख कर्मचारी हिस्सा लेंगे। इस बार डेटा संग्रह के लिए मोबाइल ऐप इस्तेमाल किया जाएगा और निगरानी के लिए एक केंद्रीय पोर्टल बनाया जाएगा, जिससे आंकड़ों की गुणवत्ता बेहतर होने की उम्मीद है। डेटा को आम लोगों और नीति निमार्ताओं के लिए अधिक सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा। यह जनगणना देश की पूरी आबादी को कवर करेगी और नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदान करेगी।साल 2027 की जनगणना देश की 16वीं और आजादी के बाद 8वीं जनगणना होगी। जनगणना गांव, कस्बों और वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा स्रोत है, जो बेहद सूक्ष्म स्तर पर जानकारी प्रदान करती है। इसमें आवास की स्थिति, सुविधाएं और संपत्तियाँ, जनसांख्यिकी, धर्म, एससी-एसटी, भाषा, साक्षरता और शिक्षा, आर्थिक गतिविधियां, प्रवासन और प्रजनन जैसे कई अहम पहलुओं का डेटा शामिल होता है। जनगणना का संचालन जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के तहत किया जाता है।

छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है खेलकूद : डॉ. रमेश सिंह

संत जान सेकेंड्री स्कूल का वार्षिक खेलकूद समारोह संपन्न, क्रिकेट, कबड्डी व टग ऑफ वार में दिखी छात्रों की शानदार प्रतिभा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के कालीनगर स्थित संत जान सेकेंड्री स्कूल का दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह शुक्रवार को उत्साह, जोश और रोमांच के माहौल में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में डुमरांव कालीनगर और शाहपुर ब्रांच के छात्रों ने विभिन्न खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम में डुमरांव शाखा का दबदबा देखने को मिला, जिसने कई इवेंट्स में शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की।

कब्बडी में कारनामेंपुर बना चैंपियन

विद्यालय के दो क्रिकेट टीम के बीच हुआ कालीनगर एवं कारनामेपुर के प्रतिभागियों ने भाग लिया इसमें कक्षा नवम के कप्तान आयुष राय एवं कारनामेपुर के कप्तान आकाश दोनों टीमों में अच्छी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। अंततः कालीनगर के बच्चों ने कारनामेपुर को आठ विकेट से पराजित किया इसमें हमारे विद्यालय के निदेशक महोदय, प्राचार्य महोदय समस्त शिक्षक गण ने बच्चों का हौसला बढ़ाया एवं टूर्नामेंट के आयोजन का लुफ्त उठाया एवं सभी छात्र एवं छात्राओं ने मैच का आनंद लिया। कक्षा नवम के छात्र आयुष राय,आदर्श कुमार, दीपू कुमार, अमित कुमार, अंश कुमार, आयुष तिवारी, विनीत कुमार, विकास कुमार, प्रिंस कुमार, अमन कुमार, रिशात, रोहित कुमार, शशिकांत कुमार, प्रिंस सिंह और कारनामेपुर के छात्र आकाश, श्रीजन, अमन, लव, गोपी , अंश कुमार, अंकित, रंजय, शिवम, निखिल, आदित्य थे। वहीं दूसरी ओर कब्बड्डी विजेता लड़की समूह की डुमरांव टीम रही जिसमें उन्होंने कारनामेपुर टीम को 6-3 से हराया। टीम में मौजूद स्वेता कुमारी कप्तान रही और सोनी कुमारी, सोनाक्षी, साक्षी, कृतिका, शिप्रा, स्वेता, स्वेता कुमारी थी। इन सभी खेलों का आयोजन निदेशक डॉ रमेश सिंह एवं निशा सिंह, सह निदेशक शुभम सिंह एवं प्राचार्य साक्षी सिंह तथा गणमान्य अतिथिगण तथा शिक्षक गण सत्यम सिंह, संतोष कुमार, धनजी दुबे,संगीता सिंह,अस्मि कौर,सुशील कुमार सिंह, अनीता उपाध्याय, जितेंद्र कुमार,अनु राय,राजेंद्र, परमानंद तिवारी एवं अंपायर के तौर पर सुशील कुमार और विवेक मिश्रा तथा कमेंट्री कर रहे अविनाश मिश्रा , विनय मिश्रा ने मिलकर टूर्नामेंट का आयोजन किया।

क्रिकेट मुकाबले में डुमरांव की धमाकेदार जीत

समारोह के अंतिम दिन क्रिकेट, कबड्डी और टग ऑफ वार का आयोजन हुआ। उद्घाटन विद्यालय के निदेशक डॉ. रमेश सिंह, सह, निदेशक शुभम सिंह और निशा सिंह ने संयुक्त रूप से किया। सबसे पहले क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज हुआ। दस ओवरों के इस मुकाबले में शाहपुर ब्रांच की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन यह निर्णय उनके लिए भारी साबित हुआ। निर्धारित ओवरों में शाहपुर की टीम केवल 68 रन ही जुटा सकी। गेंदबाजी में डुमरांव के खिलाड़ियों का दबदबा साफ देखने को मिला, जिन्होंने शानदार लाइन-लेंथ के साथ विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डुमरांव की टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। मात्र 5.2 ओवर्स में दो विकेट खोकर उन्होंने लक्ष्य हासिल कर लिया। डुमरांव की ओर से प्रिंस कुमार ने 33 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट शामिल थे। उनके शानदार प्रदर्शन पर उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

कबड्डी में भी दिखा छात्रों का दम, बालिका वर्ग में डुमरांव विजयी

कबड्डी मुकाबलों में जहां बालक वर्ग में शाहपुर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिताब जीता, वहीं बालिका वर्ग में डुमरांव की टीम ने बेहतरीन रणनीति और फुर्ती का परिचय देते हुए जीत अपने नाम की। बालिका वर्ग की टीम ने शुरूआत से ही आक्रमकता दिखाई और विपक्षी टीम को लगातार अंक जुटाने का मौका नहीं दिया। दोनों टीमों ने दर्शकों की तालियों के बीच रोमांचक खेल का प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान कोच संतोष कुमार और निथुन कुमार सहित शिक्षक परमानंद तिवारी, अविनाश मिश्रा, जितेन्द्र प्रसाद, राजेन्द्र यादव, देवाशीष, सत्यम सिंह, विनय मिश्र, अमन कुमार, संगीता सिंह, अनिता उपाध्याय, साक्षी पांडेय, अश्मि कौर, दीक्षा सिंह और अनु राम सहित कई शिक्षकों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।

टग ऑफ वार में बच्चों का जोश, बालक वर्ग में डुमरांव तो बालिका वर्ग में शाहपुर चैंपियन

टग ऑफ वार यानी रस्साकसी का रोमांच इस वर्ष भी खेलकूद प्रतियोगिता का आकर्षण बना रहा। बालक वर्ग में डुमरांव की टीम ने अपनी पूरी ताकत और टीम स्पिरिट का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। दूसरी ओर बालिका वर्ग में शाहपुर की टीम ने कड़ी मेहनत और शानदार तालमेल के दम पर जीत हासिल की। रस्साकसी के दौरान छात्रों का जोश देखते ही बनता था। मैदान में मौजूद दर्शकों की तालियां, उत्साह और खिलाड़ियों का जुझारूपन इस आयोजन को खास बना रहा था।

कोचों और अंपायरों की महत्वपूर्ण भूमिका

पूरे कार्यक्रम में अंपायरिंग की जिम्मेदारी सुशील सिंह एवं धनजी दूबे ने निभाई। वहीं कोच संतोष कुमार एवं विवेक तिवारी ने छात्रों को खेल की बारीकियों से अवगत कराते हुए पूरे आयोजन को सफलतापूर्वक संचालित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रतियोगिता से निखरती है छात्रों की प्रतिभा : डॉ. रमेश सिंह

समारोह के समापन पर विद्यालय निदेशक डॉ. रमेश सिंह ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक विकास में मदद करता है, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करता है। उन्होंने कहा कि छात्रों की खेल प्रतिभा को देखकर मैं दंग हूं। विद्यालय परिवार का उद्देश्य हर बच्चे के अंदर छिपी प्रतिभा को सामने लाना है। इसी सोच के साथ हर साल इस वार्षिक खेलकूद का आयोजन किया जाता है। प्रतियोगिता बच्चों में टीम भावना, खेल कौशल और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देती है। उन्होंने आगे कहा कि खेल से बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव होता है। ऐसे आयोजन उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, पुलिस की तत्परता से बची जान, रेफर

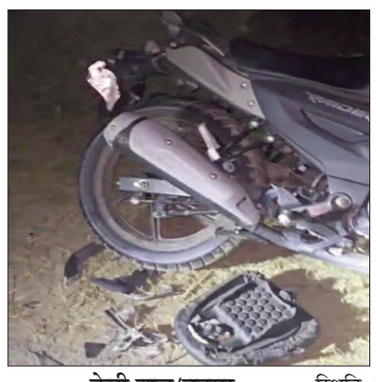

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के यादव मोड़ और बारा मोड़ के बीच गुरूवार की देर रात एक गंभीर सड़क हादसा हो गया। पेट्रोल पंप के समीप एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और तड़पता रहा। इसी दौरान वहां से गुजर रही स्थानीय थाने की गश्ती दल के पुलिसकर्मियों की नजर घायल युवक पर पड़ी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया।

चिकित्सकों ने बताया कि युवक को सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर उपचार हेतु सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई है।

अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि घायल युवक की पहचान बलिया जिले के कोटवां निवासी लक्ष्मण यादव के पुत्र रविकांत यादव के रूप में हुई है। वह गाजीपुर जिले के गहमर थाना क्षेत्र के किसी गांव से अपने घर लौट रहा था, तभी बीच रास्ते में अज्ञात ट्रक ने उसे टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार ट्रक चालक की खोज जारी है।

डीएम ने दी सख्त हिदायत : पारदर्शिता व समयबद्धता सुनिश्चित करें सभी विभाग

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय सभाकक्ष में शुक्रवार को जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा सह-निर्देश बैठक संपन्न हुई। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, डीटीओ, डुमरांव एसडीओ सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ तथा सीओ उपस्थित रहे। बैठकों में प्रशासनिक कार्यों में गति व पारदर्शिता लाने को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक विभाग को मासिक प्रगति रिपोर्ट के साथ पिछली बैठक की अनुपालन स्थिति तथा राज्य स्तर पर विभागीय रैंकिंग का पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। सभी रिपोर्टों में लक्ष्य, उपलब्धि, लंबित मामले और बाधाओं का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य होगा।

उन्होंने सभी शाखा प्रभारियों को कार्यालयों का पाक्षिक निरीक्षण कर उपस्थिति, रिकॉर्ड संधारण और फाइल प्रबंधन की स्थिति का विस्तृत प्रतिवेदन देने का आदेश दिया। साथ ही, एमजेसी, सीडब्लूजेसी सहित सभी न्यायालयीन प्रकरणों तथा आरटीआई मामलों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने बीडीओ और सीओ की साप्ताहिक समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनिवार्य रूप से करने को कहा। इसमें जन शिकायतों का निपटारा, योजनाओं की प्रगति, अतिक्रमण हटाने तथा राजस्व वसूली की स्थिति प्रमुख रूप से शामिल रहेगी।

फाइल प्रबंधन को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी फाइलों की पाक्षिक समीक्षा कर उन्हें एक्टिव एवं इनएक्टिव श्रेणी में बांटा जाए तथा अनावश्यक विलंब पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जनता दरबार से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध समाधान नहीं करने वालों पर व्यक्तिगत जवाबदेही तय होगी।

बैठक में अधिकारियों को फील्ड विजिट बढ़ाने, योजनाओं की वास्तविक प्रगति जानने और केंद्रीकृत डैशबोर्ड अपडेट समय पर करने के निर्देश दिए गए। अंत में डीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग परिणाम आधारित कार्यसंस्कृति अपनाएं।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

बक्सर में स्वदेशी संकल्प अभियान की शुरूआत, भाजपा कार्यकर्ताओं ने लिया देसी उत्पादों के उपयोग का व्रत

- आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति देने के लिए भाजपा जिला इकाई की पहल, सवा लाख संकल्प पत्र प्रधानमंत्री को भेजने की तैयारी

केटी न्यूज/बक्सर

आत्मनिर्भर भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा बक्सर जिला इकाई ने शुक्रवार को कला भवन प्रांगण में ह्यस्वदेशी अपनाओ, स्वदेशी बनाओह्न कार्यक्रम का आयोजन किया। केंद्र सरकार द्वारा 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक चलाए जा रहे स्वदेशी प्रोत्साहन अभियान को बिहार चुनाव के कारण कुछ समय के लिए विराम देना पड़ा था, लेकिन चुनाव पश्चात इसे गति देने के लिए जिले में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की जबकि मंच संचालन महामंत्री लक्ष्मण शर्मा ने किया। जिलाध्यक्ष भुवन ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है, और इसके लिए आवश्यक है कि देशवासी अधिक से अधिक भारतीय उत्पादों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल बड़े ब्रांड नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे निर्माणों को सम्मान देना है जिनमें भारतीयों का पसीना और परिश्रम शामिल है। हर स्थानीय उत्पाद, हर कारीगर का हुनर, हर किसान की उपज, यही असली स्वदेशी है।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से ह्यस्वदेशी संकल्प पत्रह्न पर हस्ताक्षर करते हुए कई महत्वपूर्ण प्रतिज्ञाएं लीं। संकल्प पत्र में यह वचन दिया गया कि दैनिक जीवन में भारतीय उत्पादों का अधिकतम उपयोग किया जाएगा, आयातित वस्तुओं की जगह देसी विकल्प अपनाए जाएंगे और घरेलू उद्योगों, किसानों तथा कारीगरों का समर्थन प्राथमिकता से किया जाएगा।

संकल्प में युवाओं और बच्चों को स्वदेशी के महत्व से अवगत कराने, परिवार और समाज में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण अनुकूल भारतीय उत्पादों को अपनाने की बात भी शामिल है। साथ ही कार्यकताओं ने भारतीय पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता देने का भी संकल्प लिया।

भाजपा जिला इकाई ने बताया कि जिले में सवा लाख लोगों से यह संकल्प पत्र भरवाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा जाएगा, ताकि आत्मनिर्भर भारत अभियान को जनसहभागिता के नए आयाम मिल सकें।

कार्यक्रम में विनोद राय, धनंजय त्रिगुण, प्रदीप दुबे, पुनीत सिंह, भुटेली तिवारी, नंदजी सिंह, धनंजय राय, विंध्याचल सिंह, उमाकांत पांडेय, सतीष दुबे, सुमन श्रीवास्तव, अविनाश पांडेय, सौरभ तिवारी, राहुल दुबे, अमित पांडेय एवं जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

चौसा थर्मल पावर प्लांट का जिलाधिकारी सहिला ने किया निरीक्षण

- स्थानीय रोजगार से लेकर पर्यावरण नियंत्रण तक दिए सख्त निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर की नई जिलाधिकारी साहिला ने शुक्रवार को चौसा थर्मल पावर प्लांट का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट क्षेत्र, रेलवे गलियारे, कोयला भंडारण स्थल तथा विभिन्न तकनीकी इकाइयों की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासन की ओर से अपर समाहर्ता,

जिला भूमि अधिग्रहण पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी चौसा मौजूद रहे। वहीं पावर प्लांट प्रबंधन की ओर से मुख कार्यपालक अधिकारी, मुख्य वित्त अधिकारी और सभी वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने प्लांट संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, कोयला परिवहन, प्रदूषण नियंत्रण और जनहित से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

स्थानीय युवाओं को नौकरी में प्राथमिकता का आदेश

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्लांट में कुशल और अकुशल दोनों श्रेणियों में स्थानीय युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने प्लांट प्रबंधन से रोजगार उपलब्ध कराने संबंधी विस्तृत प्रतिवेदन शीघ्र जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि स्थानीय लोगों को उचित अवसर देना प्लांट प्रबंधन की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कोयला धूल से बढ़ते प्रदूषण पर गहरी चिंता

रेलवे गलियारे और भंडारण क्षेत्र में फैली कोयला धूल की समस्या को गंभीर बताते हुए डीएम ने तत्काल प्रभाव से सुधारात्मक उपाय अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने नियमित जल छिड़काव, धूल नियंत्रण मशीनों के उपयोग, ढुलाई व्यवस्था में सुधार और परिवहन वाहनों पर आवरण अनिवार्य करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि वायु प्रदूषण स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

वनीकरण अभियान तेज करने का निर्देश

प्लांट क्षेत्र और आसपास हरित आवरण बढ़ाने पर जोर देते हुए जिलाधिकारी ने लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण अभियान को तेज गति से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वन प्रमंडल अधिकारी के साथ समन्वय कर प्रत्येक चरण की प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाए।

उन्होंने पावर प्लांट में अग्नि सुरक्षा, आपदा प्रबंधन उपकरण, आपातकालीन निकास मार्ग तथा प्रशिक्षण व्यवस्था की पुनःजांच करने और सभी मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा।

नो फ्लाइंग जोन का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश

प्लांट की रणनीतिक महत्ता और सुरक्षा दृष्टि से जिलाधिकारी ने चौसा थर्मल पावर प्लांट क्षेत्र को ह्यनो फ्लाइंग जोनह्न घोषित करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

निरीक्षण के अंत में डीएम ने कहा कि सभी विभाग एवं प्लांट प्रबंधन तय समय सीमा के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें और निदेर्शों के प्रभावी क्रियान्वयन में कोई ढिलाई न बरतें।

सड़कों के निर्माण, भुगतान, अलाव, कंबल वितरण से लेकर डंपिंग यार्ड तक, पार्षदों ने खोली कलई, विधायक ने ड्रेनेज सुधार का दिया प्रस्ताव

नगर परिषद की साधारण बोर्ड बैठक में विवादों की गूंज, पार्षदों ने उठाए अनियमितताओं के गंभीर सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद डुमरांव की शुक्रवार को हुई साधारण बोर्ड की बैठक काफी गर्मागर्म माहौल शुरू हुई। कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर की अध्यक्षता और ईओ राहुलधर दुबे के संचालन में आयोजित बैठक में स्थानीय विधायक राहुल सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में पांच प्रमुख एजेंडों पर चर्चा होनी थी, लेकिन पार्षदों द्वारा उठाए गए सवालों ने पूरे सदन की दिशा ही बदल दी। सड़कों के निर्माण पर चली बहस, जिसमें पार्षदों का आरोप था की बिना सहमति लगा दिया गया काम। वार्ड संख्या 8 के पार्षद शयमुला कुरैसी ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में बिना पार्षद की सहमति सड़कों का निर्माण कराया गया है, इसकी जांच होनी चाहिए। इस पर कार्यकारी सभापति ने साफ कहा कि किसी भी योजना के भुगतान के लिए पार्षद की सहमति अनिवार्य है। ईओ राहुलधर दुबे ने भी निर्देश दिया कि जिन योजनाओं पर कार्य हुआ है, उनका कनिष्ठ अभियंता द्वारा भौतिक निरीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि दो वार्डों को जोड़ने वाली सड़क की योजना तभी आगे बढ़ेगी, जब दोनों पार्षदों की लिखित सहमति होगी। इसी दौरान पार्षदों ने पूर्व ईओ मनीष कुमार के कार्यकाल पर भी सवालों की झड़ी लगा दी। पार्षदों का आरोप था कि उनके समय में कई कार्य बिना जानकारी के और जबरन करवाए गए, जिसकी न तो जानकारी पार्षदों को दी गई और न ही उनकी स्वीकृति ली गई। अलावद्दकंबल वितरण में देरी पर नाराजगी, नगर का वितस्तार हुआ व्यवस्था कम पड़ गई। सर्दी के मौसम को देखते हुए अलाव एवं कंबल वितरण में हो रही देरी पर भी पार्षदों ने कड़ी आपत्ति जताई। पार्षदों ने कहा कि नगर का विस्तार बड़ा है, लेकिन नगर परिषद हर साल केवल 14 पॉइंट पर ही अलाव की व्यवस्था करती है, जो बेहद कम है। इस पर ईओ ने कहा कि सभी वार्ड पार्षद अपनेद्दअपने क्षेत्र में जरूरत के स्थानों की सूची पैड पर लिखकर उपलब्ध कराएं, उसके आधार पर पॉइंट की संख्या बढ़ाई जाएगी।

विधायक ने रखा ड्रेनेज को मजबूत करने का प्रस्ताव, तुरंत कार्रवाई के निर्देश

बैठक में विधायक राहुल सिंह ने नगर की चौपट हो चुकी ड्रेनेज व्यवस्था को सुधारने का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। इस पर कार्यकारी सभापति ने इसे प्रोसिडिंग में प्रमुखता से दर्ज करने का निर्देश दिया और तत्काल कार्रवाई करने को कहा। ईओ ने तकनीकी सहायक को निर्देश दिया कि स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट दें और आवश्यक कार्य तेजी से शुरू करें।

डंपिंग यार्ड पर फिर उठा सवाल, 5 एकड़ जमीन की आवश्यकता

वार्ड संख्या 23 के पार्षद धीरेंद्र निराला ने एक बार फिर डंपिंग यार्ड की महत्ता और उसकी आवश्यकता पर सदन का ध्यान खींचा। जवाब देते हुए ईओ ने बताया कि विभाग ने लीज पर जमीन लेने का प्रावधान भेजा है। इसके लिए 5 एकड़ भूखंड की जरूरत होगी। ग्रामीण क्षेत्र में एमवीआर की चार गुना, और शहरी क्षेत्र में दो गुना राशि का भुगतान किया जाएगा। संपूर्ण प्रक्रिया जिला स्तरीय टीम की निगरानी में होगी। वहीं, नगर के कई वार्डों में सीसीटीवी कैमरे महीनों से खराब पड़े होने की शिकायत पर बोर्ड ने नाराजगी जताई। ईओ ने तत्काल इन्हें चालू कराने का निर्देश जारी किया।

लेखपाल पर कार्रवाई की मांग, कार्यशैली को बताया संदिग्ध

बैठक के दौरान नगर परिषद के लेखपाल उत्तम कुमार की अनुपस्थिति भी विवाद का कारण बनी। पार्षदों ने आरोप लगाया कि उनकी कार्यशैली शुरू से ही संदिग्ध और दागदार रही है। उपसभापति ने ईओ को निर्देश दिया कि उससे स्पष्टीकरण मांगा जाए और उनकी जगह विभागीय लेखपाल की नियुक्ति हेतु नगर विकास एवं आवास विभाग को पत्र भेजा जाए। शुक्रवार की यह बैठक नगर परिषद के भीतर व्याप्त प्रशासनिक अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं की खुली तस्वीर पेश करती नजर आई। सड़क निर्माण, ड्रेनेज, अलाव व्यवस्था, डंपिंग यार्ड, सीसीटीवी से लेकर लेखपाल की कार्यशैली तककृहर मुद्दे पर पार्षदों की असंतुष्टि साफ झलकी। अब देखना यह होगा कि बैठक में दिए गए निर्देश जमीन पर कितनी तेजी से उतरते हैं और क्या नगर परिषद इन चुनौतियों को हल करने में सफल हो पाती है।

एक नजर

केसठ में किसान गोष्ठी आज, आधुनिक तकनीक और योजनाओं की मिलेगी जानकारी

केसठ। किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) बक्सर द्वारा शनिवार को केसठ प्रखंड के ई-किसान भवन स्थित सभागार में किसान गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।इस गोष्ठी में किसानों को रबी मौसम आधारित उन्नत तकनीक, फसल प्रबंधन, मृदा परीक्षण, भूमि संरक्षण, उद्यान, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विशेषज्ञों द्वारा दी जाएंगी। जानकारी देते हुए तकनीकी प्रबंधक डॉ. प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि आत्मा और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ कैसे लिया जाए, इसके अलावा खेती की आधुनिक विधियों पर विस्तृत परिचर्चा की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के किसान भाइयों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर गोष्ठी का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने यह भी बताया कि गोष्ठी से संबंधित अधिक जानकारी के लिए किसान अपने पंचायत के किसान सलाहकार या कृषि समन्वयक से संपर्क कर सकते हैं।

बाइपास रोड के रूप में इस्तेमाल पथ जर्जर, बनाने की उठी मांग

डुमरांव। विस्तारित क्षेत्र नया भोजपुर को जोड़ने वाली बाबा जंगलीनाथ मंदिर रोड जर्जर होने से आमजनों सहित पूजा करने के लिये जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इतना ही नहीं इस रोड का जुड़ाव फोरलेन से होने के कारण इसका और महत्व बढ़ गया है। ऐसे में इस रोड को बनाने के लिये मांग उठने लगी है। मालूम हो कि यह रोड नया भोजपुर से होते हुए जंगलबाजार रोड होते हुए राजगढ़ चौक तक जाता है। यहां से होते हुए अनुमंडल अस्पताल और अनुमंडल कार्यालय तक लोग आते-जाते हैं। रोड खराब होने के कारण वाहनों को रिजर्व कराकर आना जाना पड़ता है। इस रोड के महत्व को देखते हुए इसे बनाने के साथ अतिक्रमण मुक्त करने की मांग हो रही है। विदित हो की इस रोड का बहुत जगह अतिक्रमण कर लिया गया है। इतना ही नहीं कई स्थानों पर नप के द्वारा कूड़ा भी डंप कर दिया गया है। इस संबंध में जब नप ईओ से बात की गई तो उन्होंने बताया की इसका जेई से निरीक्षण कराते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी।

शहीद पार्क में गंदगी और बंद ताले से शहीदों का अपमान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान शहीद हुए चार वीर सपूतों की शहादत को याद करने के लिए बनाये गए शहीद पार्क और शहीद स्तंभ की दशा आज अत्यंत शर्मनाक स्थिति में पहुंच चुकी है। अंग्रेजी हुकूमत की गोलियों का सामना कर देश को आजादी दिलाने वाले इन वीरों की स्मृति में स्थापित इस स्थल पर दुकानदारों और स्थानीय लोगों द्वारा खुलेआम गंदगी फैलायी जा रही है। हालात यह हैं कि शहीदों की प्रतिमाओं के पास कूड़ा फेंका जा रहा है और स्तंभ के आसपास बदबू का माहौल बना हुआ है।

सबसे हैरानी की बात यह है कि जिस पार्क में कभी बच्चे और बुजुर्ग सुकून से घूमने जाया करते थे, वहां महीनों से ताला लटका है। बंद पड़ा पार्क अब केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद की बेरुखी और लापरवाही के कारण शहीदों की स्मृति स्थल निरंतर बदहाल होता जा रहा है। इस गंभीर मामले को लेकर भाजपा युवा मोर्चा की महिला विंग की प्रदेश संपर्क पदाधिकारी वंदना भगत ने नगर परिषद के ईओ से शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि शहीदों के सम्मान से समझौता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिकायत मिलने पर ईओ ने आश्वासन दिया कि शहीद पार्क और शहीद स्तंभ की सफाई जल्द कराई जाएगी।

अब देखने वाली बात यह है कि प्रशासन के इस आश्वासन पर कब तक अमल होता है और क्या शहीदों के सम्मान को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे, या फिर यह पवित्र स्थल लापरवाही के अंधेरे में यूं ही खोता रहेगा।

बक्सर नप के सफाई कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से शहर बेहाल

- कचरा उठाव ठप, मजदूरी व च्ध् भुगतान की मांग पर कर्मियों का मोर्चा, प्रशासन खामोश

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर नगर परिषद क्षेत्र में शुक्रवार सुबह से अचानक सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहरभर में कचरा उठाव बंद हो गया, कई वार्डों में गंदगी के ढेर लग गए हैं और बदबू फैलने लगी है। सुबह से ही नगर परिषद के सैकड़ों सफाई कर्मी किला मैदान में जुटकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गए, जिससे पूरे शहर की सफाई व्यवस्था ठप पड़ गई है।

कर्मचारियों ने साफ कहा है कि जब तक उनकी तीन प्रमुख मांगों, 600 रुपए दैनिक मजदूरी तय करना, पीएफ की बकाया राशि का भुगतान व नियमित अपडेट, और मासिक मजदूरी का समय पर भुगतान, पर लिखित आश्वासन नहीं मिलता, वे काम पर नहीं लौटेंगे। उनका आरोप है कि महीनों से लगातार अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद उनकी समस्याओं पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

धरना स्थल पर बैठी सफाई कर्मी धर्मशिला देवी ने भावुक होते हुए कहा कि हम लोग गर्मी-जाड़ा व बरसात में बिना रुके काम करते हैं, लेकिन जब मजदूरी की बात आती है तो बहाने सुनने पड़ते हैं। कई महीनों से पैसा नहीं मिला, घर चलाना मुश्किल हो गया है।

धरना का राजनीतिक समर्थन भी मिलने लगा है। भाकपा-माले नेता संजय शर्मा ने सफाई कर्मियों की मांगों को न्यायसंगत बताते हुए नगर परिषद प्रशासन पर मजदूरों के शोषण का आरोप लगाया। वहीं नगर परिषद के उपचेयरमैन प्रतिनिधि सुनील मिश्रा ने तो सीधे कहा कि बक्सर नगर परिषद में सफाई के नाम पर भारी लूट चल रही है। चेयरमैन, अधिकारी और कुछ एनजीओ बजट में गड़बड़ी कर रहे हैं। मजदूरों की चार-पांच महीने की मजदूरी तक बकाया है।

शहर में दिखने लगा असर, प्रशासन अब भी मौन

धरना-प्रदर्शन का असर शहर की सड़कों पर साफ दिखाई देने लगा है। मुख्य मार्गों से लेकर आवासीय इलाकों तक कचरा ढेर में बदल रहा है। सुबहद्दशाम निकलना मुश्किल हो गया है। नगर परिषद की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थिति यही रही, तो अगले 24 से 48 घंटों में शहर की स्वास्थ्य स्थिति और बिगड़ सकती है।

मनरेगा से बने खेल मैदानों ने बदली ग्रामीण खेल संस्कृति की तस्वीर

- बक्सर के 108 स्थलों पर कोर्ट व रनिंग ट्रैक निर्माण से उभर रही नई प्रतिभाएं, वरीय उपसमाहर्ता ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में खेल संरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मनरेगा के तहत किए जा रहे विकास कार्यों का सकारात्मक असर सामने आने लगा है। जिले के 93 पंचायतों के कुल 108 स्थलों पर वॉलीबॉल, बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट तथा रनिंग ट्रैक का निर्माण कराया गया है। प्रशासन की यह पहल ग्रामीण स्तर से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज करने और उन्हें सुरक्षित, उपयुक्त प्रशिक्षण स्थल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अक्सर यह देखा जाता था कि सेना और पुलिस भर्ती की तैयारी करने वाले युवा सड़क किनारे

दौड़ते समय दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते थे। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए मनरेगा के तहत गांवों में खेल मैदानों के निर्माण की योजना को धरातल पर उतारा गया। इसका लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को मिल रहा है और वे सुरक्षित वातावरण में अभ्यास कर पा रहे हैं।

शुक्रवार को वरीय उपसमाहर्ता सह उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा आलोक नारायण वत्स ने प्राथमिक विद्यालय, कासिमपुर, गांधी स्मारक उच्च विद्यालय, धनसोई, तथा प्लस टू उच्च विद्यालय, कैथना में निर्मित खेल मैदानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि कैथना में बने खेल मैदान से स्थानीय खिलाड़ियों को निरंतर लाभ मिल रहा है तथा ग्रामीण स्तर से नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आ रही हैं।

अधिकारी ने बताया कि बिहार सरकार के खेल विभाग द्वारा पंचायत व नगर पंचायत स्तर पर खेल क्लबों की स्थापना की पहल को व्यापक समर्थन मिल रहा है। इससे न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेल संरचना सुदृढ़ हो रही है, बल्कि युवाओं को संगठित रूप से खेलों से जोड़ने का नया मंच भी उपलब्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास बिहार में खेल संस्कृति को नई दिशा देगा और बड़ी संख्या में प्रतिभाएं सामने आएंगी। आलोक नारायण वत्स द्वारा लगातार क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैदान निर्माण से लेकर सुविधाओं के संचालन तक, सभी कार्यों को धरातल पर उतारने का लक्ष्य है। इसका सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है और जिले के युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ा है।

चौसा में पहली बार होल्डिंग टैक्स की दस्तक दफ्तर में उमड़ी भीड़ से व्यवस्था लड़खड़ाई

- वार्ड-वार कैंप व घर-घर जांच से टैक्स वसूली तेज करेगी नगर पंचायत, मार्च 2026 तक ब्याज से पूरी राहत

केटी न्यूज/चौसा

नए गठित चौसा नगर पंचायत में पहली बार होल्डिंग टैक्स लागू होते ही दफ्तर पहुंचने वाले लोगों की भीड़ अचानक बढ़ गई है। शुक्रवार को नगर पंचायत कार्यालय का नजारा किसी विशेष मेले जैसा दिखा, सुबह से ही लंबी कतारें, दस्तावेज हाथ में लिए लोग और परिसर में दिनभर खचाखच भीड़। प्रशासनिक अमला व्यवस्था संभालने में जुटा रहा, लेकिन भीड़ ने पूरे सिस्टम की परीक्षा ले डाली।

नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) रानी कुमारी ने बताया कि पहली बार टैक्स वसूली शुरू होने से लोगों में उत्सुकता और जागरूकता दोनों देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि भीड़ को कम करने और सुविधा बढ़ाने के लिए वार्ड-वार विशेष कैंप की शुरूआत की जा रही है। इन कैंपों में कर्मचारी घर-घर जाकर या वार्ड स्तर पर होल्डिंग नंबर की जांच करेंगे और वहीं टैक्स जमा कराने की सुविधा भी दी जाएगी।ईओ ने बताया कि इस व्यवस्था से लोगों को कार्यालय आने की जरूरत कम पड़ेगी और टैक्स जमा प्रक्रिया सरल होगी। उन्होंने सभी वार्ड पार्षदों से अधिक से अधिक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचाना जरूरी है। नगर पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पहली बार लागू टैक्स को लेकर नागरिकों पर किसी तरह का अतिरिक्त बोझ न पड़े, इसलिए मार्च 2026 तक टैक्स पर किसी भी प्रकार का ब्याज नहीं लगाया जाएगा। इससे लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, आम लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कुछ नागरिकों ने कहा कि नगर के विकास और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए होल्डिंग टैक्स जरूरी कदम है। उनका मानना है कि इससे सड़क, नाली, सफाई और रोशनी जैसी मूलभूत सेवाओं में सुधार आएगा। वहीं कई लोग अचानक लागू हुई प्रक्रिया, दफ्तर में उमड़ती भीड़ और कर्मचारियों की कमी को लेकर नाराज दिखे। लोगों ने कहा कि पर्याप्त व्यवस्था होती तो परेशानी कम होती।प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि शुरूआती भीड़ और अव्यवस्था पर जल्द नियंत्रण पा लिया जाएगा। नया नगर पंचायत होने के कारण सिस्टम को व्यवस्थित होने में थोड़ा समय लग रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अगले कुछ दिनों में कैंपों के माध्यम से वसूली अभियान को सुचारू तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा और लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

पटना चिड़ियाघर के टिकट हुए महंगे, एंट्री फीस में तीन गुना वृद्धि

एजेंसी। पटना

नया साल हर किसी के लिए खास होता है और इसे और यादगार बनाने के लिए लोग परिवार और दोस्तों के साथ आउटिंग पर निकलते हैं। पटना में भी 1 जनवरी को बड़ी संख्या में लोग विभिन्न पर्यटन स्थलों, पार्कों और चिड़ियाघर की ओर रुख करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन और पार्क प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) सहित शहर के प्रमुख पार्कों में बड़ी भीड़ की संभावना है। भीड़ प्रबंधन के लिए इस बार विशेष इंतजाम किए गए हैं और साथ ही टिकटों के दामों में भी अस्थायी

बढ़ोतरी की गई है। पटना जू में नए साल पर सबसे अधिक भीड़ होती है। सामान्य दिनों में जहां चार टिकट काउंटर संचालित होते हैं, वहीं 1 जनवरी को भीड़ को ध्यान में रखते हुए 10 अतिरिक्त काउंटर लगाए जाएंगे। कुल मिलाकर 14 काउंटरों से टिकट की बिक्री की जाएगी ताकि लोगों को लंबी लाइनों में इंतजार न करना पड़े। चिड़ियाघर के निदेशक हेमंत पाटिल ने बताया कि भीड़ का दबाव कम करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रवेश द्वारों पर अतिरिक्त स्टाफ तैनात रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा और सीसीटीवी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाएगी। नए साल के दिन अक्सर भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि लोगों को टिकट लेने में काफी समय लग जाता है। इस समस्या को कम करने के लिए इस बार 25 दिसंबर से ऑनलाइन और ऑफलाइन एडवांस टिकट बुकिंग शुरू की जाएगी। प्रबंधन का कहना है कि एडवांस टिकट बुकिंग से लोगों को आसानी होगी और चिड़ियाघर में प्रवेश प्रक्रिया तेज होगी। इसके अलावा, पार्किंग व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जा रहा है ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू रहे। नए साल पर भारी संख्या में लोगों के आने के कारण भीड़ नियंत्रण के तहत पटना जू में प्रवेश शुल्क में अस्थायी बढ़ोतरी की गई है। वयस्कों का टिकट 50 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये बच्चों का टिकट (5झ12 वर्ष): 20 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये कर दिए गए हैं।सामान्य दिनों की तुलना में कीमतें तीन गुना बढ़ा दी गई हैं।

वीर कुंवर सिंह पार्क और अन्य पार्कों के शुल्क भी बढ़े

वीर कुंवर सिंह पार्क
वयस्क: 25 रुपये
बच्चे: 10 रुपये
नवीन सिन्हा पार्क
वयस्क: 25 रुपये
बच्चे: 10 रुपये

सामान्य दिनों में वयस्कों का टिकट 10 रुपये और बच्चों का 5 रुपये होता है। इसके अलावा शहर के कई अन्य पार्कों के प्रवेश शुल्क भी बढ़ाए गए हैं। हालांकि, यह सभी बढ़ी हुई दरें केवल 1 जनवरी के लिए वैध होंगी।

एक नजर

एनजीटी और बिहार सरकार के आदेशों को ठेंगा दिखा किसान जला रहें पराली

बिक्रमगंज। प्रखंड क्षेत्र में नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी बिहार सरकार व अधिकारियों के जारी आदेशों को ठेंगा दिखाकर खुलेआम दिन-दिहाड़े खेतों में पराली को आग लगाने का क्रम जारी है। शुक्रवार को नोनहर पंचायत के नोनहर ढोढनडीह रोड में कई खेतों में पराली जलाया गया। जारी घटनाक्रम के कारण किसी भी क्षण बड़ा अग्निकांड हो सकता है क्योंकि खेतों में लगी आग की चिंगारियां आस-पास के क्षेत्रों में मौजूद गांवों के रिहायशी इलाकों को अपनी चपेट में ले सकती हैं। इसके अतिरिक्त आग लगाने के कारण खेतों से उठ रहे गहरे धुएं के कारण लोगों, खासकर उन लोगों को भारी परेशानी के दौर से गुजरना पड़ रहा है जो सांस की बीमारियों से ग्रसित हैं। जानकारों के अनुसार खेतों में आग लगाने से भूमि में मौजूद फसलों हेतु लाभदायक कीड़े भी नष्ट हो रहे हैं व भूमि की उपजाऊ शक्ति को भी क्षति पहुंच रही है। बिहार सरकार व अधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देश जनता के बीच मजाक बनकर रह गए हैं। यह मामला लोगों में भी भारी चर्चा का केंद्र बना हुआ है। सरकार के जारी निर्देश के अनुसार पराली जलाने पर संबंधित किसान और किसान सलाहकार पर प्राथमिकी दर्ज करना है। पिछले दिनों घुसियां खुर्द में 20 किसानों पर प्राथमिकी भी दर्ज की गई, लेकिन अभी तक एक भी किसान सलाहकार पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। जबकि अधिकतर पंचायत में प्रत्येक दिन पराली जलाई जा रही है। इस संबंध में प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रियांशु परासर ने बताया कि जहां किसान सलाहकार रिपोर्ट नहीं करेंगे तो किसान के साथ साथ किसान सलाहकार पर भी प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी।

बसंती कृषि जनकल्याण चौपाल कार्यक्रम में किसानों को दी गई जानकारी

बिक्रमगंज। प्रखंड क्षेत्र के नोनहर पंचायत के नोनहर गांव में बसंती कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड कृषि कार्यालय बिक्रमगंज के सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रशांत कुमार शर्मा, कुमारी रागिनी चौहान सहित कई किसानों ने भाग लिया। सहायक तकनीकी प्रबंधक ने चौपाल में उपस्थित किसानों के बीच चौपाल का मुख्य उद्देश्य तथा कृषि संबंधित बातों की जानकारी दी। सरकार द्वारा किसान के हित में चल रही योजनाओं के संबंध में बताया। पराली प्रबंधन की जानकारी देते हुए खेतों में पराली नहीं जलाने की अपील की। बताया कि फसल अवशेष को प्रबंधन करने पर किसानों की आमदनी दोगुना हो सकती है। जिसे किसानों को समझने की जरूरत है। फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया। इसके साथ-साथ बीज उपचार, मिट्टी जांच, परिभ्रमण, प्रशिक्षण, कृषि यंत्रीकरण,बैंक की स्थापना एवं फार्मर रजिस्ट्री केवाईसी पर विस्तृत चर्चा की। किसानों को वैज्ञानिक तकनीक से खेती कर अपना उत्पादन बढ़ाने की बात कही।

वारंटी को पुलिस ने भेजा जेल

कारकाट । कारकाट पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत सकला निवासी सिराज सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध सासाराम न्यायालय से वारंट निर्गत था।

रोहतास : 14 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों कंप्यूटर ऑपरेटर को निगरानी टीम ने दबोचा

अकोढीगोला। जिले के डेहरी अनुमंडल क्षेत्र के अकोढीगोला प्रखंड कार्यालय में कार्यरत एक कंप्यूटर ऑपरेटर को पटना से आई निगरानी विभाग की टीम ने शुक्रवार की सुबह रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोप है कि कम्प्यूटर ऑपरेटर चंदन कुमार शर्मा शिक्षकों से वेतन निर्धारण के स्वरूप में पंद्रह हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहे थे। जिसके बाद शिक्षकों ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग को दी और मामले के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग की टीम ने घूसखोर कंप्यूटर ऑपरेटर को रंगे हाथ उसके आवास से दबोच लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सभी शिक्षक अकोढी गोला प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय बांक के बताए जाते है।

सीएम ने फुलवरिया डैम और फ्लोटिंग सोलर प्लांट का किया निरीक्षण

कार्यक्रम : रजौली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हुआ भव्य स्वागत

- जीविका दीदियों से संवाद कर विशेष योजनाओं की दी सौगात

केटी न्यूज/नवादा

शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा जिले के रजौली प्रखंड के फुलवरिया डैम और औद्योगिक क्षेत्र का दौरे किया। जहाँ उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उक्त मौके पर उनके साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे। इस दौरान जिला के रजौली फुलवरिया डैम अब सिर्फ पिकनिक स्पॉट नहीं,बल्कि बिहार के बड़े ऊर्जा और मछली उत्पादन मॉडल का केंद्र

बनता जा रहा है को खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मौके पर पहुंचकर इसकी रफ्तार पर नजर डाली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा जिले के रजौली पहुंचकर जिले की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का निरीक्षण लिया। उक्त अवसर पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री का यह दौरा दो प्रमुख संदेशों पर केंद्रित रहा। जिसके तहत एक हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना और दूसरा,जीविका दीदियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को मजबूती देना है।

सीएम कार्यक्रम का खास झलके : फुलवरिया डैम का निरीक्षण मुख्यमंत्री ने फुलवरिया जलाशय का निरीक्षण किया, जहां बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना और मत्स्य पालन की गतिविधियों को देखा। उन्होंने निमार्णाधीन 10 मेगावाट क्षमता वाले फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट परियोजना की प्रगति का भी जायजा लिया। इस परियोजना को ऊपर बिजली, नीचे मछली मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

जीविका दीदियों के साथ संवाद : मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर स्टॉल लगाई जीविका दीदियों से मुलाकात की और उनसे संवाद किया। उन्होंने उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया।

औद्योगिक क्षेत्र का जायजा : फुलवरिया डैम के निरीक्षण के बाद, मुख्यमंत्री रजौली स्थित चिरैला गांव में बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) के प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां उन्होंने औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर अधिकारियों से चर्चा की।

आवासीय विद्यालय का दौरा: अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने एक आवासीय विद्यालय में बच्चों से भी बातचीत की, जहाँ उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बात की।

आगमन पर सख्त सुरक्षा-व्यवस्था : वही शुक्रवार को मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और कार्यक्रम स्थलों पर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। इस दौरे के माध्यम से, मुख्यमंत्री का उद्देश्य जिले में चल रही महत्वपूर्ण योजनाओं की जमीनी हकीकत को समझना और विकास कार्यों को गति देना था। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को नवादा जिले के रजौली पहुंचे,जहां उन्होंने कई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का जमीनी निरीक्षण किया। उनके साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे। प्रशासन ने दौरे को लेकर सुरक्षा और स्वागत की विशेष तैयारियां की थीं।

परिजनों ने दुष्कर्म की जताई आशंका,जांच में जुटी पुलिस

ट्यूशन से घर लौट रही नाबालिग छात्रा को अगवा कर मनचलों ने की हत्या

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। घटना बीती रात नासरीगंज थाना क्षेत्र के तरांव गांव की बताई जाती है और मृतका की पहचान 12 वर्षीय अनामिका राज के रूप में हुई है। वहीं घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और सभी का रो-रो कर बुरा हाल है।

ट्यूशन से घर लौटने के दौरान किया अगवा : घटना के संदर्भ में परिजन सुधाकर सिंह ने बताया कि गुरुवार की शाम बेटी अपने छोटे भाई के साथ घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी, लेकिन पहले छुट्टी होने के कारण छोटा भाई घर आ गया और बच्ची करीब सात बजे अकेली घर आ रही थी, तभी रास्ते में कुछ अज्ञात लोगों ने अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को

अंजाम देते हुए उसकी हत्या कर दी। हालांकि परिजनों ने किसी भी तरह के विवाद की बात से इनकार किया है और पूरा परिवार सदमे में है।

घटना की सूचना मिलते हीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। फिलहाल पुलिस अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर मामले की सूक्ष्मता से जांच में जुटी है और हर एंगल से जांच की जा रही है। मृतका के गले पर पड़े निशान को देखते हुए गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हीं मामले का पूरी तरह खुलासा होगा।

रजौली के कोडरमा तिलैया रेलवे परियोजना का विधायक ने किया निरीक्षण

- योजना बोर्ड नही अंकित होने और क्षतिग्रस्त सड़क को देख बिफरे, दिया निर्देश

केटी न्यूज/नवादा

कोडरमा व तिलैया रेलवे परियोजना का औचक निरीक्षण गुरुवार को रजौली विधायक विमल राजवंशी के द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कंपनियों द्वारा बरती जा रही अनियमितताओं को देख विधायक बिफरे और कार्यरत संवेदकों के प्रतिनिधियों को जमकर खरी-खोटी सुनाई। विधायक ने कहा कि रेलवे परियोजना में निर्माण कार्य में जुटे संवेदक द्वारा योजना बोर्ड आदि नहीं लगाया गया है।साथ ही रेलवे के विभिन्न सेक्टरों पर पहुंचने वाली भारी मालवाहक वाहनों द्वारा फुलवरिया डैम के आसपास के सभी ग्रामीण सड़कों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।निरीक्षण के उपरांत विधायक ने संवेदक और उनके प्रतिनिधियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि सबसे पहले योजना

बोर्ड लगाया जाए,जिसमें कार्य का नाम और उसमें खर्च होने वाली संभावित राशि आदि का विवरण हो।विधायक ने कहा कि निर्माण कार्य में जुटे लोगों की सुरक्षा हेतु शिफ्टी उपकरण उपलब्ध कराया जाए। ताकि होने वाली दुर्घटनाओं में मजदूर सुरक्षित रहें। साथ ही क्षतिग्रस्त हुए ग्रामीण सड़कों की मरम्मती का कार्य शुरू हो सके। ताकि ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतें ना हो।विधायक ने कड़ी चेतावनी भी दी है कि ऐसा नहीं करने पर वे बाध्य होकर वे विभागीय पत्राचार कर संबंधित मंत्री को विषय वस्तु से अवगत कराया जाएगा। मौके पर भाजपा जिला महामंत्री गौरव शांडिल्य गगन, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार चंद्रवंशी और रेलवे में कार्यरत संवेदकों व उनके प्रतिनिधियों सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

पटना मेट्रो पीएमसीएच स्टेशन तक दूसरी टनल का निर्माण पूरा

- भूमिगत कॉरिडोर को मिलेगी गति

एजेंसी। पटना

पटना मेट्रो परियोजना ने एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन हासिल कर लिया है। पीएमसीएच स्टेशन तक भूमिगत कॉरिडोर की दूसरी टनल का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। यह वह हिस्सा है, जहां राधा-कृष्ण मंदिर के कारण लगभग तीन महीने तक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की ड्रिलिंग को रोकना पड़ा था। स्थानीय लोगों की भावनाओं और धार्मिक स्थलों का सम्मान करते हुए इंजीनियरों ने टनल का मार्ग बदलकर निर्माण कार्य को पुनः गति दी, और अंततः यह चुनौतीपूर्ण चरण सफलतापूर्वक पूरा हुआ। 1480 मीटर लंबे इस भूमिगत हिस्से में दो टनल बनाए गए हैं। पहली टनल 10

नवंबर को पूरी हो चुकी थी, जबकि दूसरी टनल का निर्माण अब पूरा हो चुका है। इससे पटना मेट्रो परियोजना के भूमिगत कॉरिडोर के निर्माण की रफ्तार और बढ़ गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह सेक्शन परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण और तकनीकी रूप से संवेदनशील हिस्सा था। टनल के पूरा होने के बाद अब टीबीएम मशीनों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पीएमसीएच से गांधी मैदान तक बनी इस नई टनल की सफाई और संरचनात्मक जांच में लगभग छह महीने का समय लगेगा। इस दौरान टनल के भीतर सभी सुरक्षा मानकों, संरचनात्मक मजबूती और तकनीकी उपकरणों की जांच की जाएगी। इसके बाद ही इस हिस्से में आगे की भूमिगत ढांचागत गतिविधियों को गति दी जाएगी। इंजीनियरिंग टीम ने बताया कि पीएमसीएच क्षेत्र के आसपास कई संवेदनशील स्थल हैं, जिनमें अस्पताल, धार्मिक स्थल और व्यस्त सड़कों के साथ आसपास के भवन शामिल हैं। ऐसे में निर्माण कार्य में अत्यधिक सावधानी और सटीकता की आवश्यकता थी। विशेष रूप से मंदिर के नीचे से डायवर्जन बनाना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे इंजीनियरिंग टीम ने सफलता के साथ पूरा किया। 230 मीटर लंबे इस कठिन हिस्से में सफलता हासिल करना परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण चरण माना जा रहा है। टनल निर्माण पूरा होने के साथ ही अब जनवरी से पीएमसीएच स्टेशन के भीतर प्लेटफॉर्म, वॉल सेगमेंट, तकनीकी रूम और अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। स्टेशन को आधुनिक डिजाइन और उच्च तकनीकी मानकों के साथ विकसित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की सुविधा मिल सके। भूमिगत मार्ग में केबल-डक्ट, वेंटिलेशन सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट और अन्य सुरक्षा उपायों पर भी तेजी से काम किया जाएगा। इन सभी कार्यों को पूरा करने के बाद पीएमसीएच से गांधी मैदान तक का सेक्शन पटना मेट्रो के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण रूट के रूप में सामने आएगा। पटना मेट्रो के अधिकारियों का लक्ष्य है कि निर्धारित समय, यानी 2025 के अंत तक भूमिगत कॉरिडोर का संचालन शुरू किया जा सके। दूसरी टनल के पूरा होने से परियोजना अब अपने महत्वपूर्ण और अंतिम चरण में प्रवेश कर चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि अब निर्माण कार्य में अधिक गति आएगी और यात्री सुविधाओं को जल्द पूरा किया जा सकेगा।

125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना से उपभोक्ताओं को मिल रही बिल में राहत

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार के बिजली उपभोक्ताओं के लिए यह साल राहत भरा रहा। जो 125 यूनिट तक बिजली बिल मुफ्त होने से उनकी जेब की बचत बढ़ने लगी। गरीब हो अमीर सभी घरेलू उपभोक्ताओं को इसका फायदा हुआ। उन्हें बिजली बिल अदायगी से तो मुक्ति मिली ही, अधिक बिल आने और उसे सुधरवाने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने का झंझट भी खत्म हो गया। मुफ्त बिजली के साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं की ज्यादातर शिकायतों का समाधान हो गया। मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के अधीन अवर प्रमंडल बिक्रमगंज, कोचस, सासाराम

(शहरी) व सासाराम (ग्रामीण) के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की मुफ्त बिजली योजना जुलाई महीने की बिलिंग प्रक्रिया से ही शुरू हो गई है। जिनका घेरलू बिजली खपत प्रत्येक महीने 125 यूनिट से कम है व पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों वर्ग के बिजली उपभोक्ता शामिल हैं। उन्हें लाभ मिल रहा है। 125 यूनिट से कम खपत वाले उपभोक्ताओं को कोई फिक्स चार्ज, ऊर्जा शुल्क आदि नहीं लगेगा। 125 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को बिजली बिल का भुगतान करना होगा।

मुजफ्फरपुर में नई पहल : बाबा गरीबनाथ धाम में चढ़े फूलों से बनेंगी अगरबत्ती-धूप

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर नगर निगम अब कालों के काल महाकाल की नगरी उज्जैन के मॉडल पर एक नई पहल को शुरू कर रहा है। अब मंदिरों में चढ़ाए गए फूलों और फलों के इस्तेमाल के बाद इसका उपयोग अगरबत्ती और धूप बत्ती बनाने में किया जाएगा। यह बड़ी पहल नई साल में शुरू होने जा रही है और इसके लिए नगर निगम ने तैयारी तेज कर दी है। अब भक्तों की आस्था को एक नया आयाम मिलेगा और इसके कारण अपशिष्ट प्रबंधन का दायित्व पूरा हो सकेगा। यही नहीं इससे सशक्तिकरण के साथ-साथ रोजगार का भी सृजन होगा। इसके लिए नगर निगम की एक

टीम को प्रशिक्षण के उज्जैन भेजा जा रहा है, जहां पर जाकर वो अगरबत्ती और धूप को बनाने की प्रक्रिया को जानेंगे और उसे मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ मंदिर में आजमायेंगे। दरअसल उज्जैन नगर निगम द्वारा संचालित फूल से अगरबत्ती और धूप का प्रोजेक्ट से प्रेरित है, जहाँ मंदिर के फूलों से उत्पाद बनाए जाते हैं। जिसका एक बड़ा लक्ष्य है कि यह इन मंदिरों से निकलने वाले फूलों के सूखे हुए वेस्ट यानी कचरे का न सिर्फ पुन उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और जनहित के कार्यों में आय का उपयोग करने का है। इसकी चर्चा पूरे देश में है और अब मुजफ्फरपुर नगर निगम भी इस दिशा में पहल करने जा रही है। नगर निगम की 7 सदस्यों की टीम जिसमें की कई महिला कर्मचारी भी शामिल है जो उज्जैन नगरी में जाकर अगरबत्ती निर्माण की तकनीक और प्रक्रिया सीखेगी..और फिर इसको बिहार के मुजफ्फरपुर में आकर पूरा करेगी। नगर आयुक्त विक्रम विरकर ने कहा है कि हमने भक्तों की आस्था को ध्यान में रखते हुए एक पहल करने जा रहे है....इसमें बाबा गरीबनाथ धाम को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के तर्ज पर एक अनोखी अभियान की शुरूआत की जा रही है... मंदिर में भक्तों के द्वारा चढ़ावा के रूप में जो फूल चढ़ाया जाता है उसको कलेक्ट करके हम उसको रिसाइकिल करेंगे और फिर उसको रीयूज करेंगे।.. गिले फुल को कलेक्ट कर उसको सुखाया जाएगा और फिर प्रोसेस करके उसको अगरबत्ती और धूप में बनाया जाएगा। इसके प्रॉसेनिंग कार्य में महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा और एक नया आयाम शुरू होगा। इसके माध्यम से इसको बनाने वाले दीदी को रोजगार का सृजन होगा और वह आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

एक नजर

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी, एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत, जांच में जुटी पुलिस

पटना। मोकामा प्रखंड के शिवनार क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की सुबह एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर दुर्घटना ग्रस्त हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो शिवनार मार्ग से होकर गुजर रही थी। बताया जा रहा है कि रास्ते में अचानक सामने से आ रहे एक वाहन को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। जोरदार आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुट गए। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसकी पहचान गुहन महतो के रूप में हुई है। यह शिवनार के रहने वाले नहीं बताए जाते हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोकामा सदर अस्पताल भेजा गया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने स्कॉर्पियो में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायल व्यक्तियों को निजी वाहन से अस्पताल भेजा। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर अक्सर बड़े वाहन तेज गति से चलते हैं, जिससे इस मार्ग पर दुर्घटना की संभावना अधिक रहती है। सूचना मिलते ही मोकामा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और गाड़ी को सड़क से हटाने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस का कहना है कि यह हादसा तेज रफ्तार के कारण हो सकता है। मामले में जांच जारी है और चालक से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही पुलिस स्थानीय लोगों से भी पूछताछ कर रही है ताकि दुर्घटना के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सके।

बिहार के 10 जिलों में मध्याह्न भोजन योजना का पायलट प्रोजेक्ट बंद

पटना। बिहार के 10 जिलों में मध्याह्न भोजन योजना का पायलट प्रोजेक्ट बंद कर दिया गया है। यह प्रोजेक्ट विद्यालयों में प्रधानाध्यापक या प्रधान शिक्षक के बजाय अन्य शिक्षकों द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस प्रोजेक्ट में अनियमितताओं के कारण इसे समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। शिक्षा विभाग के निदेशक विनायक मिश्र ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट इसलिए शुरू किया गया था ताकि प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षक मध्याह्न भोजन योजना के दैनिक संचालन के अतिरिक्त बोझ से मुक्त रह सकें और शैक्षणिक कार्यों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकें। इसके लिए व्यवस्थापक और सहायक व्यवस्थापक नियुक्त किए गए थे। लेकिन प्राप्त प्रतिवेदन और समीक्षाओं में पाया गया कि इन व्यवस्थापकों की उपस्थिति अनियमित थी। उनकी अनुपस्थिति के कारण स्कूलों में शैक्षणिक कार्य बाधित होने लगे और विद्यालय की गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। कई विद्यालयों में व्यवस्थापक और सहायक व्यवस्थापक नियमित रूप से उपस्थित नहीं होते थे, जिससे योजना के संचालन में कठिनाई उत्पन्न हुई। निदेशक ने निर्देश दिए हैं कि जहां-जहां यह पायलट प्रोजेक्ट लागू है, उसे तत्काल बंद किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पायलट प्रोजेक्ट पूरी तरह समाप्त हो चुका है और भविष्य में इसे जारी रखने की अनुमति नहीं है। अब सभी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन पूर्व व्यवस्था के अनुसार प्रधानाध्यापक और विद्यालय प्रबंधन द्वारा ही किया जाएगा।

हम भौकाल नहीं बनाते, सीधे एक्शन लेते हैं : विजय सिन्हा

बोले–अब प्रखंड अधिकारियों से बहस नहीं करें, हर हफ्ते मैं खुद सुनूंगा शिकायत

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा कि विभाग अब पूरी तरह से एक्शन मोड में है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ह्लहम भौकाल नहीं बनाते, सीधे एक्शन लेते हैं।ह्व मंत्री ने भूमि से जुड़े मामलों में जनता की समस्या को तेजी से निपटाने के लिए नई व्यवस्था लागू करने की घोषणा की, जो आम लोगों को बड़ी राहत देने वाली है। मंत्री सिन्हा ने कहा कि यदि किसी नागरिक की जमीन से जुड़ी कोई शिकायत है और प्रखंड के अधिकारी उस पर सही तरीके से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, तो अब उन्हें अधिकारियों से बहस या संघर्ष करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ह्लमैं हर हफ्ते जनता की शिकायतें खुद सुनूंगा। आप सीधे मेरे पास अपनी समस्या रख सकते हैं, उसके बाद मैं अधिकारियों से जवाब तलब करूंगा। उन्होंने बताया कि कई बार लोग प्रखंड, अंचल, जिला और

मुख्यालय–चारों स्तरों पर शिकायत कर देते हैं, लेकिन उसके बावजूद भी उनका काम पेंडिंग में रहता है। ऐसी स्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि जिन मामलों पर कार्रवाई नहीं हो रही है, उन्हें वह अपनी प्राथमिकता में लेकर तुरंत समाधान सुनिश्चित करेंगे। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में कहीं भी अवैध तरीके से कोई कारोबार, जमीन का कब्जा, फर्जी दाखिल-खारिज या किसी भी तरह की गड़बड़ी की शिकायत मिलती है, तो विभाग की टीम तुरंत जांच और कार्रवाई करेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि उनके पास किसी प्रकार का सबूत है, तो उसे सीधे उनके पास जमा करें। उन्होंने यह भी कहा कि हर हफ्ते वह खुद दो घंटे तक कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करेंगे। इसके अलावा प्रधान सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी नियमित रूप से मौजूद रहेंगे, ताकि कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या विभाग तक पहुंचा सके। उन्होंने इसे जनता के लिए एक नई और पारदर्शी व्यवस्था बताते हुए कहा कि विभाग आम लोगों की परेशानी दूर करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कर्मचारियों और पदाधिकारियों के साथ अनावश्यक बहस या विवाद से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी को अपनी बात सामने कहने में हिचकिचाहट है, तो वह गोपनीय तरीके से भी शिकायत दर्ज कर सकता है। ह्लआप चाहे तो मेरे पते पर गोपनीय आवेदन भेजें, आपकी पहचान पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी,ह्व उन्होंने कहा। विजय सिन्हा ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य समाधान देना है, विवाद पैदा करना नहीं। उन्होंने कहा कि बिहार में भय या ह्यभौकालह्व से नहीं, बल्कि पारदर्शी प्रणाली और ठोस कार्रवाई से व्यवस्था सुधरेगी। ह्लभौकाल से सिर्फ भय और बीमारी बढ़ती है। हम समस्या का निदान करने में विश्वास रखते हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने बताया कि कई मामलों में फर्जी तरीके से दाखिल-खारिज, नामांतरण या जमीन विवाद खड़ा किया जाता है। ऐसे सभी मामलों में यदि शिकायत साक्ष्य के साथ मिलेगी, तो विभाग की विशेष टीम जांच करेगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। कुल मिलाकर, मंत्री विजय कुमार सिन्हा के इस बयान और नई व्यवस्था से यह स्पष्ट हो गया है कि बिहार सरकार जमीन से जुड़े मामलों पर गंभीर है और लंबित मामलों के जल्द निपटारे के लिए अब उच्च स्तर पर सीधी निगरानी की जाएगी। यह कदम उन हजारों लोगों को राहत देगा जो वर्षों से अपनी जमीन से जुड़े मामलों के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर काट रहे थे।

ओवरटेकिंग पर अब कड़ी सख्ती, नियम तोड़ा तो लगेगा 10 हजार का जुर्माना, लाइसेंस भी होगा रद्द

एजेंसी। पटना

विक्रमशिला सेतु पर बढ़ते जाम और लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। अब इस पुल पर ओवरटेकिंग करना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। नियम तोड़ने पर न केवल 10 हजार रुपये का जुमार्ना देना होगा, बल्कि संबंधित चालक का ड्राइविंग लाइसेंस भी रद्द कर दिया जाएगा। प्रशासन के इस निर्णय को सड़क सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीते कुछ महीनों में विक्रमशिला सेतु पर ट्रैफिक परेशानी के साथ दुर्घटनाओं के मामलों में तेजी आई थी। लंबी कतारों के कारण लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ता था। खासकर ओवरटेकिंग की वजह से सड़क पर अव्यवस्था की स्थिति बन रही थी। इसी को देखते हुए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाते हुए ओवरटेकिंग पर पूरी तरह रोक लगाने का फैसला लिया। प्रशासन का मानना है कि इस कदम से हादसों पर नियंत्रण और यातायात व्यवस्था में काफी सुधार होगा। नए नियमों के

तहत अब विक्रमशिला सेतु पर ओवरटेक करते हुए पकड़े जाने पर वाहन चालक को 10 हजार रुपये का भारी जुमार्ना भरना पड़ेगा। वहीं, चालान काटने के साथ उसका लाइसेंस भी रद्द कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं, प्रशासन ने कार्रवाई को और प्रभावी बनाने के लिए सेतु पर हर दस पिलर पर दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। ट्रैफिक पुलिस की यह तैनाती दिन-रात निगरानी रखेगी, ताकि किसी भी तरह का उल्लंघन तुरंत पकड़ा जा सके। इसके अलावा, सेतु पर बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इन कैमरों की मदद से किसी भी वाहन के ओवरटेक करने की स्थिति में उसकी पहचान कर ऑटोमेटिक चालान जारी किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि तकनीक की सहायता से चालान प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी और तेज होगी। इससे नियम तोड़ने वालों को पकड़ने में आसानी होगी और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। विक्रमशिला टीओपी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि लोगों को सतर्क करने के लिए चेतावनी बोर्ड, दीवार लेखन और पंपलेट वितरण का सहारा लिया जा रहा है।

आर्थिक अपराध इकाई की ताबड़तोड़ छापेमारी : बैंक कर्मी भवेश कुमार सिंह पर आय से संपत्ति का आरोप

एजेंसी। पटना

पटना से लेकर गोपालगंज तक आर्थिक अपराध इकाई (एडव) की ताबड़तोड़ छापेमारी जारी है। पटना के पाटलिपुत्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के विकास पदाधिकारी भवेश कुमार सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों के बाद ईओयू की टीम ने एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आर्थिक अपराध इकाई को यह इनपुट प्राप्त हुआ था कि पाटलिपुत्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के विकास पदाधिकारी भवेश कुमार सिंह ने भ्रष्ट व अवैध तरीकों से आय से 60.68% अधिक संपत्ति अर्जित की है। सूचना के सत्यापन के बाद मामला गंभीर पाया गया और इसी क्रम में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित 13(1)(इ) के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद न्यायालय से तलाशी अधिपत्र प्राप्त कर आर्थिक अपराध इकाई ने शुक्रवार की सुबह से ही भवेश कुमार सिंह के कई आवासीय और कार्यालयीय ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू कर दी। जिन ठिकानों पर छापेमारी हुई- 1. पुष्पक रेसिडेंसी, फ्लैट नंबर 203, रामजयपाल नगर, थाना खपरापुर, पटना ह्व किराए का आवास, 2. जकरियापुर, कृष्णा निकेतन स्कूल के पास, गैस गोदाम गली, पहाड़ी पर स्थित ऋ+5 भवन - अगमकुआं, पटना, 3. ग्राम जलालपुर, पोस्ट धर्मपरसा, थाना मांझागढ़, जिला गोपालगंज स्थित पैतृक निवास, 4. भावना पेट्रोलियम, विशम्भरपुर, थाना मांझागढ़, जिला गोपालगंज स्थित कार्यालय, 5. जय माता दी राइस मिल, बेला बिहटा, जिला पटना एवं 6. पाटलिपुत्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक, एसपी वर्मा रोड, पटना स्थित कार्यालय ईओयू की कई टीमों ने अलग-अलग जिलों में एक साथ कार्रवाई शुरू की। कई ठिकानों पर पुलिस बल की मौजूदगी दिखी और दस्तावेजों की गहन जांच की गई। अधिकृत सूत्रों का कहना है कि - तलाशी के बाद विस्तृत विवरण प्रेस को उपलब्ध कराया जाएगा। गोपालगंज में स्थित भावना पेट्रोलियम और पैतृक आवास पर भी ईओयू एवं स्थानीय पुलिस की टीम सुबह से ही पहुंची।

पटना स्टेशन रोड पर अब नहीं नजर आएंगे फुटपाथी दुकान और ठेलें

- दुकानदारों को बुद्ध स्मृति पार्क के पिछले हिस्से में शिफ्ट किया गया

एजेंसी। पटना

पटना स्टेशन रोड पर अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। पूर्व चिरैयाटांड़ पुल से पश्चिमी जीपीओ गोलंबर तक दुकानें और फुटपाथी ठेलों पर रोक लगाई गई है। अब इन दुकानदारों को बुद्ध स्मृति पार्क के पिछले हिस्से में शिफ्ट किया जाएगा। इस शिफ्टिंग प्रक्रिया की शुरूआत कर दी गई है। जिला प्रशासन के निर्देश पर दिसंबर में लगातार 9 दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इसके बावजूद स्टेशन रोड पर जाम पूरी तरह से खत्म नहीं हो पाया। अभियान के दौरान दुकानदार अपनी दुकानें हटाते थे, लेकिन दोपहर में फिर से सड़कों पर दुकानें लग जाती थीं। इसे देखते हुए दुकानदारों को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बुद्ध मार्ग संपर्क पत्र के पास शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया है। शिफ्टिंग के लिए सड़क के किनारे जगह समतल की जा रही है, ताकि ठेला और अन्य सामान

सुरक्षित तरीके से लगाया जा सके। एडीएम नगर व्यवस्था संजय कुमार सिंह ने बताया कि दुकानदारों को हिंदुस्तान प्रेस के पिछले हिस्से में, ओल्ड मल्टी लेवल पार्किंग के सामने जगह देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उनका उद्देश्य स्टेशन रोड को दुकानों और अतिक्रमण से पूरी तरह मुक्त कराना है, ताकि सड़क पर जाम न लगे और राजधानी की छवि बेहतर बनी रहे। संजय कुमार सिंह ने कहा कि स्टेशन रोड पर कोई भी अतिक्रमण नहीं दिखेगा और इस दिशा में संबंधित थानेदारों को निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, कंकड़बाग और हनुमान नगर जाने वाले ऑटो रिक्शा के लिए टाटा पार्क को व्यवस्थित करने का काम शुरू कर दिया गया है। शनिवार से कंकड़बाग की ओर जाने वाले ऑटो का संचालन वहीं से शुरू होगा।पटना जंक्शन के निकास और प्रवेश द्वार के पास ऑटो रिक्शा का जमाबड़ा न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय प्रशासन सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि ऑटो रिक्शा और अन्य वाहन व्यवस्थित रूप से चलें, इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इससे यात्रियों को सुविधा होगी और स्टेशन रोड पर यातायात सुचारू रहेगा।

पछुआ हवा ने बढ़ाई ठंड : पटना समेत कई जिलों में सुबह-शाम कोहरे की चादर

- मौसम विभाग ने कहा- सावधान रहें

एजेंसी। पटना

बिहार में अब दिन में भी कनकनी महसूस होने लगी है। धूप तो हर दिन निकलती है लेकिन ठंड कम नहीं हो रही है। लोगों को सुबह भी ठिठुरन महसूस हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि पछुआ हवा की गति बढ़ने से कनकनी महसूस हो रही है। अगले तीन दिनों तक ऐसी ही स्थिति रहेगी। इसके बाद न्यूनतम तापमान में और भी गिरावट आएगी। मौसम विभाग ने कहा कि लोग हर हाल में सावधानी बरतें। आने वाले दिनों में मौसम के शुष्क रहने की

संभावना है। अगले सात दिनों तक प्रदेश में बारिश की कोई उम्मीद नहीं है। हालांकि, कुछ इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे के छाने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में किशनगंज सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे राज्य में सबसे कम है। इसके अलावा कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे सुबह और देर रात ठिठुरन बढ़ गई है। पटना में दृश्यता 300 मीटर रही, जो राज्य में सबसे कम रही। वहीं, पूरे बिहार में कहीं भी बारिश नहीं हुई। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी किए गए जिलों के तापमान के अनुसार, औरंगाबाद का 8.6 डिग्री सेल्सियस, अरवल का 10.9 डिग्री सेल्सियस, डेहरी का 10 डिग्री सेल्सियस, बक्सर का 10.2 डिग्री सेल्सियस, वैशाली का 10.4 डिग्री सेल्सियस, मुजफ्फरपुर का 12.6 डिग्री सेल्सियस, मोतिहारी का 13.4 डिग्री सेल्सियस, सुपौल का 13.1 डिग्री सेल्सियस, फॉरबिसगंज का 13.2 डिग्री सेल्सियस, पटना 13 डिग्री सेल्सियस, भागलपुर 11.2 डिग्री सेल्सियस, मुंगेर 11.7 डिग्री सेल्सियस और कथिहार 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बेतिया (वाल्मीकिनगर) में 11 डिग्री सेल्सियस, मधुबनी में 11.8 डिग्री सेल्सियस, सहरसा 9.4 डिग्री सेल्सियस, शेखपुरा 9.6 डिग्री सेल्सियस, बेगूसराय 13.7डिग्री सेल्सियस, और नालंदा 10.8 डिग्री सेल्सियस रहा। कई जिलों में तापमान में गिरावट दिखी, खासकर उत्तर बिहार में ठंड का प्रभाव ज्यादा देखने को मिला।

मुजफ्फरपुर में बड़ी कार्रवाई : पोखरेरा टोल प्लाजा से 11 कार्टन अवैध शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले में उत्पाद विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए करजा थाना क्षेत्र के पोखरेरा टोल प्लाजा के पास घेराबंदी कर एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब जब्त की गई है। पुलिस ने मौके से वाहन के मालिक समेत दो शराब तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। उथानाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने बताया कि विभाग को गोपनीय जानकारी मिली थी कि उत्तर प्रदेश से छपरा के रास्ते होते हुए मुजफ्फरपुर आ रही एक सफेद रंग की लग्जरी कार में शराब की एक बड़ी खेप लाई जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया और पोखरेरा टोल प्लाजा के पास सघन जांच अभियान शुरू किया गया। चेकिंग के दौरान जब संदिग्ध कार को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई, तो पुलिस भी हैरान रह गई। तस्करों ने शराब को छिपाने के लिए शातिराना तरीका अपनाया था। शराब की पेटियां कार की सीटों के नीचे और डिक्की में बेहद छुपाकर रखी गई थीं। पुलिस ने कार से कुल 11 कार्टन अवैध विदेशी शराब बरामद की। मौके से जिन दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी पहचान सीतामढ़ी जिले के रहने वाले सुमीर कुमार (वाहन मालिक) और शराब कारोबारी सुशांत कुमार के रूप में हुई है।

जियोस्टार पर दिखेंगे टी-20 वर्ल्ड कप के सभी मैच

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 7 फरवरी से आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की शुरूआत होगी, जिसके शुरू होने का इंतजार सभी फैंस काफी बेसब्री से कर रहे हैं। भारत में टी20 वर्ल्ड कप के मैचों के ऑनलाइन सीधा प्रसारण करने का अधिकार जियो स्टार के पास है, जिसको लेकर पिछले कुछ दिनों से ऐसी रिपोर्ट सामने आ रही थी कि उन्होंने अपने इस करार को बीच में ही खत्म कर दिया है। ऐसे में आईसीसी ने भारत में टी20 वर्ल्ड कप मैचों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग को लेकर दूसरे प्लेटफॉर्म की तलाश को भी शुरू कर दिया है। वहीं अब इन सभी रिपोर्ट्स को आईसीसी ने अपनी तरफ से जारी किए गए बयान में साफतौर पर खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने साफ किया की भारतीय फैंस मैचों को ऑनलाइन जियोस्टार पर देखना जारी रखेंगे। आईसीसी ने अपनी तरफ से जारी किए गये बयान में बताया कि जियोस्टार और उनके बीच समझौता पूरी तरह से लागू है और अभी भी वह भारत में आईसीसी का आधिकारिक मीडिया राइट्स पार्टनर। वहीं जियोस्टार ने भी इस मामले में अपना पक्ष रखा है और बताया कि वह भारतीय क्रिकेट फैंस को आगामी आईसीसी इवेंट्स जिसमें खेल के सबसे ग्लोबल टूर्नामेंट में से एक आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप भी शामिल है लाइव स्ट्रीमिंग को जारी रखेगा और हमारा पूरा ध्यान फैंस के लिए बेहतर कवरेज देने पर बना हुआ है। अब इस बयान से साफ हो गया कि भारतीय फैंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैचों का सीधा प्रसारण ऑनलाइन जियोस्टार पर आसानी से देख सकते हैं। बता दें कि जियोहोटस्टार ने भारत में आईसीसी से 3 बिलियन डॉलर के चार साल के मीडिया राइट्स समझौता लिया हुआ है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला मैच जहां 7 फरवरी को खेला जाएगा तो वहीं फाइनल मुकाबला 8 मार्च को होगा। इस बार कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें 5-5 के चार ग्रुपों में उन्हें बांटा गया है। भारत में जहां 5 वेन्यू पर टी20 वर्ल्ड कप के मैच खेले जाएंगे तो वहीं श्रीलंका में 3 वेन्यू पर इसके मुकाबले होंगे। आईसीसी ने 11 दिसंबर को ग्रुप स्टेज के मुकाबलों को लेकर टिकट बिक्री को भी शुरू कर दिया है, जिसमें टीम इंडिया के तीन मैचों के टिकट जहां पूरी तरह से सोल्ड आउट हो चुके हैं तो वहीं अभी सिर्फ 18 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले की टिकट बची हुई है जो अहमदाबाद के स्टेडियम में खेला जाएगा।

हमारा समझौता पूरी तरह से बना हुआ है

आईसीसी ने अपनी तरफ से जारी किए गये बयान में बताया कि खङ्गर३१ और उनके बीच समझौता पूरी तरह से लागू है और अभी भी वह भारत में आईसीसी का आधिकारिक मीडिया राइट्स पार्टनर। वहीं खङ्गर३१ ने भी इस मामले में अपना पक्ष रखा है और बताया कि वह भारतीय क्रिकेट फैंस को आगामी कछउ इवेंट्स जिसमें खेल के सबसे ग्लोबल टूनार्मेंट में से एक आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप भी शामिल है लाइव स्ट्रीमिंग को जारी रखेगा और हमारा पूरा ध्यान फैंस के लिए बेहतर कवरेज देने पर बना हुआ है।

भारत आईसीसी की कमाई का 80% देता है

भारत आईसीसी के रेवेन्यू का करीब 80% हिस्सा देता है, जो क्रिकेट की डिपेंडेंसी दिखाता है। आईसीसी ने 2024 में $474 मिलियन (करीब 4,000 करोड़ रुपए) का सरप्लस कमाया। सरप्लस मतलब ₹अतिरिक्त कमाई₹ या प्रॉफिट (जैसे आपकी सैलरी से खर्चे कटने के बाद जो बचे)।

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरूआत 7 फरवरी से

आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में होगा। टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 शहरों के 8 वेन्यू पर खेला जाएगा। 29 दिन में 55 मैच होंगे।

एक नजर

रवींद्र जडेजा की पत्नी रिबावा ने दिया चौंकाने वाला बयान, भारतीय खिलाड़ियों पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी रवींद्र जडेजा जिनका साउथ अफ्रीका के खिलाफ हाल में खत्म हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में गेंद और बल्ले दोनों से उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन देखने को मिला तो वहीं अब उनकी पत्नी रिबावा का एक ऐसा बयान सामने आया है, जिसने हड़कंप जरूर मचा दिया है। रिबावा जडेजा जो गुजरात राज्य सरकार में शिक्षा मंत्री हैं उन्होंने एक इवेंट के दौरान बोलते हुए दिए अपने बयान में कहा है कि टीम इंडिया के खिलाड़ी विदेशी दौरों पर कई तरह की लतों से घिर जाते हैं जो खराब होती हैं। उरिबावा जडेजा ने उस इवेंट में बोलते हुए कहा कि मेरे पति, क्रिकेटर रवींद्र जडेजा क्रिकेट खेलने के लिए कई विदेशी दौरों पर जाते हैं जैसे लंदन, दुबई और ऑस्ट्रेलिया। इसके बाद भी आज तक उन्होंने कभी भी किसी बुरी लत को नहीं पकड़ा क्योंकि वह अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं। बाकी की पूरी टीम कई तरह की लतों से ग्रसित रहती है, लेकिन उनपर किसी तरह की पाबंदी नहीं है। आसपास का माहौल खराब होने के बाद भी उनके पति कभी किसी भी तरह की बुरी लत में नहीं पड़े। एक बार जब हम जिंदगी में आगे बढ़ जाते हैं, तो जमीन से जुड़े रहना और अपनी सांस्कृतिक जड़ों को याद रखना जरूरी है। अब रिबावा जडेजा का ये बयान सामने आने के बाद से हड़कंप जरूर मच गया है, जिसमें प्लेयर्स को लेकर इसे गंभीर आरोप के तौर पर देखा जा रहा है। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी रवींद्र जडेजा के लिए साल 2025 बल्ले और गेंद दोनों से काफी शानदार रहा है, जिसमें टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट लेने के बाद वनडे और टेस्ट में वह स्क्वाड का अहम हिस्सा बने हुए हैं। जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में इस साल बल्ले से काफी बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया जिसमें इंग्लैंड के दौरे पर उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं आईपीएल के 19वें सीजन में रवींद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स टीम की तरफ से खेलते हुए दिखाई देंगे, जो एक काफी बड़ा कदम माना जा रहा है, क्योंकि वह पिछले कई सीजन से चेन्नई सुपर किंग्स टीम का अहम हिस्सा बने हुए थे।

सिर्फ एक साल नौ महीने की उम्र में कमाल!

वेदा बनीं भारत की सबसे कम उम्र की 100 मीटर तैराक

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की नन्ही तैराक वेदा सरफरे ने बहुत छोटी उम्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो बड़े खिलाड़ियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। सिर्फ एक साल नौ महीने 10 दिन की उम्र में वेदा ने 100 मीटर तैराकी पूरी कर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया है। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वे वह देश की सबसे छोटी तैराक बन गई हैं। वेदा सरफरे ने औपचारिक तैराकी प्रशिक्षण की शुरूआत सिर्फ नौ महीने की उम्र में कर दी थी। बताया जाता है कि वेदा को तैराकी की दिलचस्पी अपने भाई की स्विमिंग क्लास देखकर ही मिली। उनका प्रशिक्षण कोच महेश मिल्के और उनकी पत्नी गौरी मिल्के ने शुरू कराया, जिन्होंने अगले 11 महीनों तक वेदा को तैराकी में संतुलन, सांस नियंत्रण और सहनशक्ति की ट्रेनिंग दी और वेदा की क्षमता को धीरे-धीरे विकसित किया। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स को भेजे गए मेल के मुताबिक, वेदा ने 2522 मीटर माप वाले रत्नागिरी नगर स्विमिंग पूल में चार लैप लगाते हुए कुल 100 मीटर दूरी पूरी की। उन्होंने यह कारनामा 10 मिनट आठ सेकंड में पूरा किया। उनके इंस्टाग्राम पेज पर प्रशिक्षण के कई वीडियो साझा किए जाते हैं, और वहीं पर इस रिकॉर्ड की आधिकारिक जानकारी भी दी गई है। मेल के अंश में लिखा गया, 'उन्होंने 2522 मीटर के स्विमिंग पूल में 100 मीटर (4 लैप) की दूरी 10 मिनट 8 सेकंड में पूरी की। वेदा के कोच महेश मिल्के ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'कड़ी मेहनत और लगातार प्रशिक्षण के साथ, मात्र 21 महीने की इस बच्ची ने यंगेस्ट स्विमर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।' उनके अनुसार, यह उपलब्धि न केवल वेदा बल्कि भारत में बाल प्रतिभा के विकास का भी एक बड़ा उदाहरण है।

मुश्ताक अली ट्रॉफी में आंध्र से नीतीश रेड्डी की हैट्रिक

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मध्यप्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली। इसके बावजूद मध्यप्रदेश ने मुकाबले को 4 विकेट से जीत लिया। पाटील अकादमी में खेले गए मैच में मध्यप्रदेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। आंध्र प्रदेश की टीम 19.1 ओवर में 112 रन पर ऑलआउट हो गई। मध्यप्रदेश ने 113 रन का टारगेट 17.3 ओवर में 6 विकेट पर हासिल कर लिया। मध्यप्रदेश की ओर से ऋषभ चौहान ने 47 और राहुल बाथम ने नाबाद 35 रनों की पारी खेली। 23 रन देकर चार विकेट लेने वाले शिवम शुक्ला प्लेयर ऑफ द मैच रहे।इस जीत के बाद मध्यप्रदेश की टीम ग्रुप ए के सुपर लीग पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम ने पहले ही मुकाबले को जीतकर 4 अंक हासिल कर लिए हैं। जबकि आंध्र प्रदेश की टीम दूसरे स्थान पर है। ग्रुप बी में हरियाणा ने राजस्थान को 7 विकेट से हराकर पहला स्थान हासिल किया है।टॉस हारकर बल्लेबाजी कर रहे आंध्र प्रदेश की शुरूआत खराब रही। टीम ने 7 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए थे। अश्विन हेबर और शेख रशीद खाता नहीं खोल सके। दोनों को त्रिपुरेश सिंह ने पवेलियन भेजा। शुरूआती 13 बॉल पर 2 विकेट गंवाने के बाद श्रीकर भरत और नीतीश कुमार रेड्डी ने पारी संभाली। दोनों ने 50 रन ही जोड़े थे कि वेंकटेश अय्यर ने भरत को कॉट एंड बोल्ड किया। वे 39 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रिकी भुई ने 11 रन का योगदान दिया। नीतीश रेड्डी ने 25 रन बनाए। मप्र की ओर से शिवम शुक्ला ने 23 रन देकर 4 विकेट झटके। जबकि त्रिपुरेश सिंह ने 31 रन देकर 3 विकेट झटके। राहुल बाथम को दो और वेंकटेश अय्यर को एक विकेट मिला। 113 रन चेज कर रहे मध्यप्रदेश ने 14 रन पर पहला विकेट गंवाया। तीसरे ओवर की चौथी बॉल पर नीतीश कुमार रेड्डी ने हर्ष गवली को बोल्ड कर दिया। उन्होंने 5वीं बॉल पर हरप्रीत सिंह और छठी बॉल पर रजत पाटीदार को पवेलियन भेजा। हरप्रीत और रजत खाता भी नहीं खोल सके।ऐसे में वेंकटेश अय्यर (22 रन) ने ऋषभ चौहान के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। 37 रन पर वेंकटेश के आउट होने के बाद राहुल बाथम ने नाबाद 35 रनों की पारी खेली। आंध्रा के लिए नीतीश कुमार रेड्डी ने 3 विकेट झटके।

गावस्कर के पर्सनालिटी राइट्स केस में दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनील गावस्कर की याचिका पर आदेश दिया है। यह मामला पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा से जुड़ा है। कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को सात दिन में कार्रवाई करने को कहा है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने गावस्कर के वकील से बात की। उन्होंने कहा- वकील पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से संपर्क करें। उअदालत ने प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि वे गावस्कर के मुकदमे को कळ एक्ट 2021 के तहत शिकायत मानकर जरूरी कदम उठाएं। यह कानून सोशल मीडिया गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया आचार संहिता से जुड़ा है। एक दिन पहले अभिनेता सलमान खान और तेलुगु स्टार जूनियर एनटीआर भी अपने पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे थे।गावस्कर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म और ई-कॉमर्स वेबसाइट द्वारा उनके नाम, तस्वीरें और शख्सियत एवं पहचान के अनधिकृत उपयोग को रोकने तथा पर्सनालिटी राइट्स की रक्षा के लिए हाई कोर्ट का रुख किया था। पर्सनालिटी राइट्स के तहत किसी व्यक्ति को अपनी तस्वीर, नाम या पहचान की सुरक्षा, उन पर नियंत्रण रखने और उनके उपयोग से लाभ प्राप्त करने का अधिकार होता है।ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन से पहले इसी साल मई में एक्टर जैकी श्रॉफ भी कोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी इमेज और वीडियो बदलकर बिना इजाजत मर्चेंडाइज बेचा जा रहा है। उस समय कोर्ट ने उनके पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स को भी सुरक्षित किया था। साल 2023 में कोर्ट ने अनिल कपूर की इमेज, वॉयस और उनके 'झकास' कैचफ्रेज का गलत इस्तेमाल रोक दिया था। वहीं, नवंबर 2022 में अमिताभ बच्चन की पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की भी सुरक्षा दी गई थी।यह केस अब डिजिटल युग में सेलिब्रिटीज की प्राइवेसी और पब्लिसिटी राइट्स को लेकर एक अहम मिसाल साबित हो सकता है। अदालत की अगली सुनवाई में यह स्पष्ट होगा कि क्या अदालत तुरंत किसी तरह का अंतरिम आदेश पारित करेगी या नहीं।

31 साल की विनेश ने किया संन्यास से वापसी का एलान : बोलीं- इस बार मैं ओलंपिक में अकेली नहीं हूं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट (31) ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए संन्यास से वापसी का एलान किया और कहा कि वह अब अपना अधूरा ओलंपिक सपना पूरा करने के लिए 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारी करेंगी। 2024 में विनेश फाइनल में पहुंचने के बाद पदक नहीं जीत सकी थीं और अब उनका ख्वाब स्वर्ण पदक के उसी अधूरे सपने को पूरा करना है। 2024 में फाइनल में विनेश डिस्क्वालिफाई हुई थीं और कोई पदक नहीं जीत सकी थीं। 2024 पेरिस ओलंपिक में कुश्ती में विनेश फोगाट इतिहास रचने के बेहद करीब थीं। वह ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं और जिस फॉर्म में

वह थीं, ऐसा लग रहा था कि वह स्वर्ण भी जीत जाएंगी, लेकिन फाइनल से कुछ घंटे पहले उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा पाया गया, जिसके चलते उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने भावनात्मक तौर पर टूटकर संन्यास की घोषणा कर दी थी। विनेश ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि पिछले डेढ़ साल में उन्होंने खुद से बहुत सवाल पूछे और खेल से दूर रहकर अपने सफर को समझने की कोशिश की। विनेश ने लिखा, 'लोग पूछते रहे कि क्या पेरिस ही अंत था। काफी लंबे समय तक, मेरे पास कोई जवाब नहीं था। मुझे मैट से दूर होने की जरूरत थी। दबाव से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपनी खुद की महत्वाकांक्षाओं से भी दूर रहने की जरूरत थी। कई वर्षों में पहली बार, मैंने खुद को सच में सांस लेने दिया। विनेश ने लिखा, 'मैंने उतार-चढ़ाव, टूटे हुए पल, वो कुर्बानियां और मेरे वो रूप जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा और अपने सफर के बोझ को समझने के लिए समय लिया और उसी चिंतन में मुझे सच मिला। मुझे अब भी यह खेल (कुश्ती) पसंद है। मैं अब भी मुकाबला करना चाहती हूं। उस खामोशी में, मैंने वह चीज पाई जिसे मैं भूल चुकी थी- वो आग कभी बुझी ही नहीं। वह बस थकान और शोर के नीचे दब गई थी।'मां बनने के बाद करेंगी वापसी, कहा- मैं अकेले नहीं हूं... विनेश उन चुनिंदा भारतीय खिलाड़ियों में शामिल होंगी जो मां बनने के बाद खेल में वापसी कर रही हैं। 2025 में उन्होंने बेटे को जन्म दिया था। विनेश ने लिखा, 'अनुशासन, दिनचर्या, लड़ाईङ्क यह सब मेरे भीतर बसा है। चाहे मैं कितनी भी दूर चली गई, मेरा एक हिस्सा हमेशा मैट पर ही रहा। तो मैं यहां हूं...लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तरफ फिर से कदम बढ़ाते हुए, एक ऐसे दिल के साथ जो बेखौफ है और एक ऐसी आत्मा के साथ जो झुकने से इनकार करती है। और इस बार, लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह पर मैं अकेली नहीं चल रही हूं....मेरा बेटा भी मेरी टीम में शामिल हो रहा है। मेरा सबसे बड़ा मोटिवेशन, मेरा छोटा चीयरलीडर।

केशव महाराज को मिली बड़ी जिम्मेदारी, कैपिटल्स टीम की संभालेंगे आगामी सीजन में कप्तानी

एजेंसी। नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका में खेली जाने वाली फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग रअ20 के आगामी सीजन में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें एक नाम प्रिटोरिया कैपिटल्स का भी शामिल है। 26 दिसंबर से शुरू होने वाले टी 20 के नए सीजन से पहले प्रिटोरिया कैपिटल्स ने बड़ा ऐलान करते हुए रियली रोसू की जगह पर शानदार स्पिन गेंदबाज केशव महाराज को कप्तान बनाने का फैसला लिया है। महाराज जो पिछले सीजन तक डरबन सुपर जाएंट्स टीम की तरफ से खेल रहे थे और कप्तानी की जिम्मेदारी को भी संभाल रहे थे, वह आगामी सीजन में अब प्रिटोरिया कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए दिखने वाले हैं। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने केशव महाराज को कप्तान बनाने के फैसले के बाद जारी किए अपने बयान में कहा कि उनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट का काफी शानदार अनुभव हासिल है, जिसमें वह लिमिटेड ओवर्स में साउथ अफ्रीकी टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी को संभालते हैं। इस बार टी 20 के सीजन में प्रिटोरिया कैपिटल्स ने जहां कप्तानी के मामले में बदलाव किया है तो वहीं उनके कोचिंग सेटअप में भी बदलाव देखने को मिलेगा जिसमें जोनाथन ट्रॉट जो पिछले सीजन तक हेड कोच की जिम्मेदारी को संभाल रहे थे, उनकी जगह पर सौरव गांगुली को अब आगामी सीजन से इस जिम्मेदारी को संभालते हुए देखा जाएगा। टी 20 के आगामी सीजन को लेकर हुए ऑक्शन में प्रिटोरिया कैपिटल्स सबसे ज्यादा पर्स के साथ पहुंची थी जो 1.85 मिलियन यूएस डॉलर के करीब था। इसमें उन्होंने अपनी स्क्वाड के सभी स्लॉट भी भरे तो वहीं डेवाल्ड ब्रेविस को खरीदने के लिए 945,000 यूएस डॉलर खर्च किए थे, जो टी 20 के इतिहास में हुए ऑक्शन में अब तक सबसे ज्यादा रकम पाने वाले खिलाड़ी भी बन गए थे। इसके अलावा लुंगी एनगिडी, लिजाद विलियम्स, क्रेग ओवरटन, साकिब महमूद और कोडी यूसुफ भी प्रिटोरिया कैपिटल्स की स्क्वाड का हिस्सा हैं। टी 20 के आगामी सीजन में कैपिटल्स की टीम को अपना पहला मुकाबला 27 दिसंबर को जोहान्सबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ सेंचुरियन के स्टेडियम में खेलना है।